RNI No. : TNHIN/2013/52520 वर्ष - 13 अंक - 221 पृष्ठ - 8 रु. 5/- चेन्नई » सोमवार » 09-03-2026 www.dakshinbharat.com Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तक्ष्शिन् पारत् राष्ट्रमत् | दिनसरी हिन्दी नाळितऴ् | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

तमिलनाडु में युवा शक्ति को नए अवसर

पीएम कौशल विकास योजना के तहत करीब 9 लाख युवाओं को प्रशिक्षण, PMKVY 4.0 में 480+ स्किल डेवलपमेंट सेंटर से प्रमुख उद्योगों में रोजगार के लिए नई पीढ़ी तैयार

उद्यम पोर्टल पर लगभग 61+ लाख एमएसएमई पंजीकृत

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (PMEGP) के तहत 43,000+ नए उद्यम स्थापित, युवाओं के लिए हजारों रोजगार के अवसर सृजित

14,000+ डीपीआईआईटी मान्यता प्राप्त स्टार्टअप नवाचार को दे रहे बढ़ावा, युवाओं के लिए नए अवसर

तमिलनाडु में 7,000+ महिला-नेतृत्व वाले स्टार्टअप से नवाचार को नई दिशा

एम्स मदुरै और 11 नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना से चिकित्सा शिक्षा को मिली मजबूती

450+ आईटीआई के माध्यम से व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा, युवाओं के लिए कौशल विकास के अवसरों का विस्तार

विकसित भारत के लिए विकसित तमिलनाडु

मोदी सरकार का संकल्प

“ हमारा सामूहिक लक्ष्य विकसित भारत के लिए एक विकसित तमिलनाडु है। केंद्र सरकार समावेशी विकास और राज्य की प्रगति के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। ”

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

CBC 46101/13/0037/2526

होली पर उत्तम नगर में झड़प : एमसीडी ने एक आरोपी के घर के 'अवैध हिस्सों' को गिराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली नगर निगम ने रविवार को तोड़ फोड़ अभियान चलाया और उत्तम नगर में होली पर हुई झड़प के मामले में एक आरोपी के घर के अवैध हिस्सों को गिरा दिया। इस झड़प में 26 वर्षीय युवक की मौत हो गई थी। पुलिस सूत्रों ने यह जानकारी दी।

इलाके में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारी संख्या में पुलिस और अर्द्धसैनिक बलों की तैनाती की गई है। सूत्रों ने बताया कि नगर निगम के अधिकारी बुलडोजर के साथ मौके पर पहुंचे और उन्होंने घर के ''केवल अवैध रूप से निर्मित हिस्सों'' को गिराया, न कि पूरे घर को। एमसीडी अधिकारियों ने बताया कि नालों पर बने अतिक्रमण को हटाने के अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई है। एमसीडी के पश्चिमी जोन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ''मानसून आने वाला है, इसलिए हम इलाके में नालों पर बने अवैध निर्माणों को हटा रहे हैं क्योंकि इनसे पानी का बहाव बाधित होता है। यह ढांचा नाले पर बना था।'' इलाके को घेर लिया गया और पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया था। बुलडोजर से इमारत के कुछ हिस्सों को गिराया गया। अधिकारियों की निगरानी में इमारत को गिराए जाने के दौरान मलबा और धूल सड़क पर फैल गई। तोड़फोड़ कार्य के दौरान आसपास के लोग एकत्र हो गए।

इस कार्रवाई से एक दिन पहले मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने हत्या की निंदा करते हुए दिल्ली में ऐसे जघन्य आपराधिक और हिंसक कृत्यों को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति अपनाने की बात कही थी।

महिला वकीलों को न्यायाधीश नियुक्त करने पर विचार करे उच्च न्यायालय कॉलेजियम : सीजेआई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने रविवार को न्यायपालिका में अधिक संस्थागत सुधारों की वकालत की, ताकि अधिक महिलाएं विधि क्षेत्र में आ सकें। उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालयों के कॉलेजियम को न्यायाधीश पद के लिए बार की मेधावी महिला सदस्यों पर एक नियम के रूप में विचार करना चाहिए, न कि अपवाद के रूप में।

एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, सीजेआई ने इस बात पर जोर दिया कि बार के सदस्यों को एक साधारण सी वास्तविकता को स्वीकार करना चाहिए: महिला सदस्य रियायतें नहीं मांग रही हैं। उन्होंने 'इंडियन वीमन इन लॉ' के पहले सम्मेलन में हाफ द नेशन-हाफ द बेंच, ब्रिज द गैप-बैलेंस द बेंच विषय पर कहा, वे निष्पक्ष और उचित प्रतिनिधित्व की मांग कर रही हैं, जो लंबे समय से लंबित है। जब स्वयं यह पेशा इस सत्य को आत्मसात कर लेगा, तभी न्यायपालिका तक पहुंचने का मार्ग स्पष्ट होगा। इस पर वहां मौजूद महिला वकीलों और न्यायपालिका के सदस्यों ने काफी तालियां बजाईं। प्रधान न्यायाधीश ने उच्च न्यायालयों के कॉलेजियम से अनुरोध किया कि वे अपने विचार क्षेत्र का विस्तार करें और उच्चतम न्यायालय में वकालत कर रही अपने-अपने राज्यों की महिला अधिवक्ताओं को पदोन्नति के लिए शामिल करें। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा था कि यदि प्रगति को सार्थक बनाना है, तो उसे संस्थागत रूप देना होगा। उन्होंने कहा कि कहानी यह नहीं होनी चाहिए कि किसी एक व्यक्ति को अधिक प्रतिनिधित्व मिला, बल्कि यह होनी चाहिए कि उच्चतम न्यायालय और देश भर के उच्च न्यायालयों ने समझ-बूझकर निष्पक्षता को अपनी प्रक्रियाओं में समाहित किया। उन्होंने कहा, हम सभी को यह समझना चाहिए कि इस प्रकार का सुधार कोई आकस्मिक घटना नहीं है; यह एक सतत प्रक्रिया है। संस्थागत निष्पक्षता को बढ़ावा देने के लिए व्यक्तिगत कार्यकाल और व्यक्तिगत व्यक्तित्व से परे दृढ़ता की आवश्यकता होती है। यह मेरे कार्यकाल में, या मेरे साथी न्यायाधीशों के कार्यकाल में पूरी तरह से साकार नहीं हो सकता है। हालांकि, यह हमारी प्रतिबद्धता की गहराई को निर्धारित नहीं कर सकता और न ही करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सुधार का एक क्षेत्र उच्च न्यायालयों के कॉलेजियम के भीतर निहित है और उन्हें यह समझना होगा कि सोच-समझकर कार्रवाई करने का समय भविष्य में नहीं, बल्कि अभी है।

'इंडियन वीमेन इन लॉ' नामक संगठन से जुड़ी वरिष्ठ अधिवक्ता शोभा गुप्ता और महालक्ष्मी पावनी ने अतिथियों का स्वागत किया।

प्रमाणित गुणवत्ता मानकों के साथ होम्योपैथी क्षेत्र का नेतृत्व करने के लिए तैयार है भारत : विशेषज्ञ

नई दिल्ली/भाषा। भारत में होम्योपैथी का क्षेत्र काफी व्यापक स्तर पर फैला हुआ है और अब हमारा देश वैश्विक स्तर पर दुनिया में इसका नेतृत्व करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। भारत में होम्योपैथी का क्षेत्र मजबूत नैदानिक विशेषज्ञता, व्यापक चिकित्सक नेटवर्क और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त गुणवत्ता प्रमाणपत्रों और मानकों श्रेरा संचालित है। विशेषज्ञों का मानना है कि इन कारकों के चलते भारत आने वाले समय में वैश्विक होम्योपैथी उद्योग में एक प्रमुख भूमिका निभा सकता है और इस क्षेत्र में नई संभावनाओं के श्रेर खुल सकते हैं।

आयुष विशेषज्ञों का कहना है कि दशकों से, जर्मनी के होम्योपैथी ब्रांडों ने वैश्विक स्तर पर अपनी एक उत्कृष्ट प्रतिष्ठा कायम रखी है और अक्सर उन्हें गुणवत्ता, निरंतरता और अनुसंधान-समर्थित विनिर्माण क्षेत्र में स्वर्ण मानक के रूप में देखा जाता है। उन्होंने कहा कि भारत न केवल उनके बराबर पहुंचने की राह पर है, बल्कि दो शक्तिशाली गुणवत्ता ढांचों - आयुष प्रीमियम मार्क और एनएबीएल मान्यता के चलते उनसे आगे निकलने की राह पर भी है।

जम्मू कश्मीर में पारदर्शी शासन अब हकीकत बना : उपराज्यपाल सिन्हा

जम्मू/भाषा। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रविवार को कहा कि जम्मू कश्मीर आज एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है और पिछले पांच से छह वर्षों में ऐसे परिवर्तनकारी बदलाव हुए हैं जिन्होंने शासन प्रणाली को अधिक पारदर्शी बनाया है।

जम्मू के सिधरा में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) मुख्यालय भवन और अवंतीपुरा में एसीबी एपीकेएस शाखा का उद्घाटन करने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए सिन्हा ने कहा कि ये दोनों इमारतें केवल स्टील, कांच और कंक्रीट की संरचनाएं नहीं हैं, बल्कि ये सार्वजनिक जीवन में पारदर्शिता और भ्रष्टाचार मुक्त केंद्र शासित प्रदेश की एक सशक्त घोषणा को प्रदर्शित करती हैं। उपराज्यपाल ने कहा, जम्मू कश्मीर आज एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है। पिछले 5 से 6 वर्षों में हमने कई परिवर्तनकारी बदलाव किए हैं, जिससे व्यवस्था पारदर्शी हुई है और जनसेवा के लिए समर्पित हुई है। अब पूरी व्यवस्था कुछ चुनिंदा लोगों के लाभ के लिए नहीं, बल्कि केंद्र शासित प्रदेश के प्रत्येक व्यक्ति के हित में काम करती है।

पश्चिम एशिया में तनाव जारी रहने से सोने में बना रह सकता है उतार-चढ़ाव : विश्लेषक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच सोने की कीमतों में अगले सप्ताह भी उतार-चढ़ाव जारी रहने की संभावना है। निवेशकों की पश्चिम एशिया से जुड़े घटनाक्रमों और घरेलू बाजार की धारणा को प्रभावित करने वाले प्रमुख वृहत आर्थिक आंकड़ों पर नजर होगी। विश्लेषकों ने यह कहा।

जेएम फाइनेंशियल सर्विसेज लि. के उपाध्यक्ष प्रणव मेर ने कहा, ''पश्चिम एशिया में जारी घटनाक्रमों पर नजर बनी रहेगी। तनाव बढ़ने से सोने की कीमतों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा, लेकिन तनाव कम होने के संकेत मिलने पर भारी बिकवाली हो सकती है।'' मेर ने कहा, ''चांदी में अभी सीमित दायरे में घट-बढ़ हो रही है। लेकिन इसमें भारी अस्थिरता देखी जा रही है। इसका कारण सोने और तांबा तथा जस्ता जैसी औद्योगिक धातुओं में सीमित दायरे में घट-बढ़ के कारण इसके लाभ सीमित हैं।'' पिछले सप्ताह घरेलू बाजार में सर्राफा वायदा में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में चांदी 14,359 रुपए यानी 5.08 प्रतिशत टूटी, जबकि सोना 470 रुपए यानी 0.3 प्रतिशत फिसला। एंजल वन के गैर-कृषि जिंस और मुद्रा विभाग के शोध मामलों के डिप्टी वाइस प्रेसिडेंट प्रथमेश एम ने कहा, ''पिछले सप्ताह सोने की कीमत 1.59 लाख से 1.70 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम के दायरे में रही। वैश्विक स्तर पर तनाव, एशियाई मांग, केंद्रीय बैंकों की मजबूत खरीद, अमेरिकी ट्रेजरी बॉन्ड का उच्च प्रतिफल और डॉलर की मजबूती सर्राफा बाजार में कीमतों को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारक बने हुए हैं।

दिल्ली पुलिस ने नकली 'प्रोटीन सप्लीमेंट' गिरोह का भंडाफोड़ किया, दो लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली पुलिस ने राष्ट्रीय राजधानी और एनसीआर में नकली 'प्रोटीन सप्लीमेंट' बनाने और उनकी आपूर्ति करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ किया और इस सिलसिले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने छह मार्च को उत्तर-पूर्वी दिल्ली के ब्रह्मपुरी निवासी मोहित तिवारी और मोहित दीक्षित को ब्रह्मपुरी इलाके से गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, उनके खिलाफ अपराध शाखा थाने में मामला दर्ज किया गया है। अधिकारी ने बताया कि पूछताछ के दौरान आरोपियों ने खुलासा किया कि वे नकली 'प्रोटीन सप्लीमेंट' बनाने में शामिल थे। उन्होंने इलाके में संचालित अवैध फैक्टरियों के बारे में भी पुलिस को जानकारी दी।

मध्यप्रदेश के पुलिस प्रशिक्षण स्कूलों में सुबह 'दक्षिणामूर्ति स्तोत्र' बजाने के निर्देश

भोपाल/भाषा। मध्यप्रदेश में पुलिस प्रशिक्षण स्कूलों में प्रशिक्षुओं के लिए पहले भगवद्गीता और रामचरितमानस के पाठ के निर्देश देने के बाद विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने अब इन संस्थानों में सुबह 'दक्षिणामूर्ति स्तोत्र' लाउडस्पीकर पर बजाने को कहा है। पुलिस प्रशिक्षण के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजी) राजा बाबू सिंह ने राज्य के आठ पुलिस प्रशिक्षण स्कूलों को यह नया निर्देश जारी किया है।

इन स्कूलों में वर्तमान में करीब 4,000 पुरुष और महिला प्रशिक्षु प्रशिक्षण ले रहे हैं। ये प्रशिक्षु अगले कुछ महीनों में मध्यप्रदेश पुलिस बल में आरक्षक के रूप में शामिल होंगे। सिंह ने बताया कि 'दक्षिणामूर्ति स्तोत्र' भगवान शिव से संबंधित एक संस्कृत स्तुति है। भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के 1994 बैच के अधिकारी सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''दक्षिणामूर्ति भगवान शिव का एक स्वरूप है, जो परम ज्ञान, योग, ध्यान और विद्या के ब्रह्मांडीय गुरु का प्रतिनिधित्व करता है।'' उन्होंने कहा, ''मैंने पुलिस प्रशिक्षण स्कूलों से कहा है कि वे परिसर में लगे लाउडस्पीकर के माध्यम से सुबह 'दक्षिणामूर्ति स्तोत्र' का प्रसारण करें। इससे प्रशिक्षुओं में सहानुभूति और संवेदनशीलता विकसित होगी, जो उन्हें अच्छा इंसान और स्मार्ट तथा पेशेवर पुलिसकर्मी बनने में मदद करेगी।'' सिंह ने कहा कि यह कदम प्रशिक्षण स्कूलों में दिए जा रहे मौजूदा प्रशिक्षण को और बेहतर बनाने में सहायक होगा।

उत्तराखंड के राज्यपाल के हेलीकॉप्टर में आयी तकनीकी खराबी, आपात स्थिति में उतारना पड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पौड़ी/भाषा। उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) गुरमीत सिंह को लेकर जा रहे हेलीकॉप्टर में रविवार को तकनीकी खराबी आ गई, जिसके बाद उसे आपात स्थिति में उतारना पड़ा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, राज्यपाल टिहरी में आयोजित चार दिवसीय 'टिहरी लेक फेस्टिवल-हिमालयन ओ टू' में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होने के बाद प्रदेश की ग्रीष्मकालीन राजधानी चमोली जिले के गैरसैंण जा रहे थे, जहां सोमवार से उत्तराखंड विधानसभा का बजट सत्र शुरू होना है।

उन्होंने बताया कि उड़ान के दौरान दोपहर करीब डेढ़ बजे राज्यपाल के हेलीकॉप्टर में अचानक तकनीकी खराबी आ गई, जिसके कारण उसे आपात स्थिति में श्रीनगर स्थित 'जीवीके' कंपनी के हेलीपैड पर सुरक्षित रूप से उतार दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि इसके बाद राज्यपाल को पुलिस अतिथि गृह ले जाया गया, जहां से वह सड़क मार्ग से गैरसैंण के लिए रवाना हुए। पौड़ी की जिलाधिकारी स्वाति एस भदौरिया ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि राज्यपाल को अतिथि गृह में ठहराने के बाद शाम करीब पांच बजे भारी सुरक्षा के बीच सड़क मार्ग से गैरसैंण के लिए रवाना कर दिया गया। इस बीच, राज्यपाल को सड़क मार्ग से भेजे जाने को लेकर कांग्रेस ने आलोचना की है। कांग्रेस की उत्तराखंड प्रदेश के अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने कहा कि सरकार को राज्यपाल के लिए दूसरे हेलीकॉप्टर की व्यवस्था करनी चाहिए थी।

पंजाब के कपूरथला में विदेशों से जुड़े हथियार आपूर्ति गिरोह का भंडाफोड़

कपूरथला/भाषा। पंजाब पुलिस ने हथियारों की आपूर्ति करने वाले एक ऐसे गिरोह का भंडाफोड़ किया है जिसके फिलीपीन और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के तस्करों से संबंध हैं और इस संबंध में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने एक नाबालिग को भी हिरासत में लिया और उसके पास से पांच देसी पिस्तौल बरामद किया गया। उन्होंने बताया कि इन हथियारों का इस्तेमाल क्षेत्र में गोलीबारी और जबरन वसूली जैसी गतिविधियों के लिए किया जाना था। पुलिस ने जालंधर जिले के मेहराजवाला गांव के अजय कुमार को गिरफ्तार किया और उसके 17 वर्षीय साथी को हिरासत में लिया। कपूरथला के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) गौरव तोरा ने बताया कि विश्वसनीय सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने सबसे पहले अजय कुमार को गिरफ्तार किया और उससे एक पिस्तौल बरामद की।

मेरे जीवन को संवारने में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका: गौतम अदाणी

नई दिल्ली/भाषा। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने रविवार को उन महिलाओं के प्रति आभार व्यक्त किया, जिन्होंने उनके जीवन और सफर को संवारा है। उन्होंने कहा कि उनकी सफलता की नींव उन मूल्यों और समर्थन पर टिकी है, जो उन्हें अपने परिवार से मिला।

लिंक्डइन पर लिखे एक लेख में अदाणी ने अपनी मां शांताबेन अदाणी के प्रभाव को याद किया। उन्होंने बताया कि कैसे बचपन में मां श्रेरा सुनाई गई रामायण जैसे महाकाव्यों की कहानियों ने उनमें साहस, त्याग और कर्तव्य के मूल्यों को स्थापित किया। उन्होंने कहा कि उन सीखों की गहराई उन्हें तब समझ आई, जब 16 साल की उम्र में उन्होंने अपना करियर बनाने के लिए मुंबई जाने के लिए घर छोड़ा था। अदाणी ने उस मानसिक शक्ति को याद किया जो उनकी मां ने उन्हें एक अनिश्चित भविष्य की ओर कदम बढ़ाने की अनुमति देते समय दिखाई होगी। अदाणी ने अपनी पत्नी प्रीति अदाणी की भूमिका की भी सराहना की, जिन्होंने दंत चिकित्सा का करियर छोड़कर 'अदाणी फाउंडेशन' का नेतृत्व संभाला। उन्होंने बताया कि 'अदानी फाउंडेशन' आज देश के 22 राज्यों में शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका जैसे क्षेत्रों में सक्रिय है और अब तक एक करोड़ से अधिक लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला चुका है।

भारत-पाकिस्तान 1965 युद्ध के नायक और पूर्व सैनिक के.जी. जॉर्ज का निधन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वर्ष 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में अदम्य साहस दिखाने वाले वीर चक्र से सम्मानित लांस हवलदार के.जी. जॉर्ज (सेवानिवृत्त) का 95 वर्ष की आयु में केरल में निधन हो गया। उनके परिवार ने रविवार को यह जानकारी दी।

के.जी. जॉर्ज (सेवानिवृत्त) के पोते रेमो जॉन ने कहा, ''मेरे दादाजी का शनिवार की सुबह निधन हो गया। उनका जन्म फरवरी 1931 में हुआ था और उन्होंने 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में भाग लिया था।'' जॉन (21) ने बताया कि जॉर्ज का जन्म केरल में हुआ था और वह वृद्धावस्था के कारण होने वाली स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों से पीड़ित थे। उन्होंने कोट्टयम स्थित अपने आवास पर अंतिम सांस ली। जॉर्ज ने भारतीय सेना के सिग्नल कोर में सेवा की थी, जो 1911 में स्थापित एक महत्वपूर्ण इकाई है। जॉर्ज को मिले वीर चक्र के प्रशस्ति पत्र में 1965 के युद्ध के दौरान उनके वीरतापूर्ण कार्य का वर्णन किया गया है और इसमें लिखा है कि उन्होंने ''उच्च कोटि का साहस और कर्तव्यनिष्ठा का प्रदर्शन किया।'' जॉर्ज को मिले वीर चक्र के प्रशस्ति पत्र के मुताबिक, '' छह से 10 सितंबर 1965 की अवधि के दौरान, दुश्मन की लगातार गोलाबारी और हवाई हमलों के बीच, लांस हवलदार (लाइनमैन फील्ड) के.जी. जॉर्ज ने पाकिस्तान के वाघा सेक्टर में बाधित संचार व्यवस्था को बहाल करने के लिए अपनी टुकड़ी का नेतृत्व करना जारी रखा। आठ और नौ सितंबर, 1965 की रात को अपनी जान को खतरे में डालकर भी, उन्होंने दुश्मन के हमले के दौरान ब्रिगेड मुख्यालय से अग्रिम बटालियनों तक संचार की एक लाइन स्थापित की।

तेलंगाना सरकार कॉलेज छात्राओं को इलेक्ट्रिक स्कूटर देने पर विचार कर रही : रेड्डी

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने रविवार को कहा कि राज्य सरकार छात्राओं को ईवी (इलेक्ट्रिक) स्कूटर देने पर विचार कर रही है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला पत्रकारों को सम्मानित करने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने यह भी कहा कि सरकार एक ऐसा मंच स्थापित करने पर विचार करेगी, जहां सोशल मीडिया पर पोस्ट की गई झूठी खबरों के खिलाफ शिकायतें दर्ज की जा सकें।

उन्होंने कहा कि छात्राओं को स्कूटर वितरित करने का प्रस्ताव सत्तारूढ़ कांग्रेस का एक चुनावी वादा था। हालांकि, इस वित्तीय वर्ष में यह संभव नहीं हो सकता है, लेकिन यह विचारार्थ है। हैदराबाद को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए सराकार श्रेरा उठाए गए कदमों पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (आरएसटीसी) की 2,800 डीजल बसों को हैदराबाद से बाहर स्थानांतरित किया जा रहा है। नौ दिसंबर 2026 तक शहर में एक भी डीजल बस नहीं रहेगी। सरकार डीजल बसों को ईवी एसी बसों से बदल रही है।

पुणे का नया डबल-डेकर फ्लाईओवर खुला, यातायात सुगम होने की उम्मीद

पुणे/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने 'डबल-डेकर ब्रिज' कहे जाने जानेवाले पुणे के नए फ्लाईओवर का रविवार को वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन किया। पुणे में उद्घाटन समारोह में उपस्थित उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने याद दिलाया कि उनके दिवंगत पति और तत्कालीन उपमुख्यमंत्री अजित पवार को पुराने पुल को तोड़ने का आदेश देने के लिए आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था।

उन्होंने आशा व्यक्त की कि नए फ्लाईओवर से लोगों को यातायात संबंधी समस्याओं से राहत मिलेगी। गणेशखिंड रोड पर स्थित फ्लाईओवर का मुख्यमंत्री फडणवीस ने 'वीडियो कॉन्फ्रेंस' के माध्यम से उद्घाटन किया जिसके बाद इसे जनता के लिए खोल दिया गया।

पुणे महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (पीएमआरडीए) श्रेरा निर्मित इस संरचना में एक डबल-डेकर डिजाइन है, जिसमें पहले स्तर पर एक रोड फ्लाईओवर और उसके ऊपर एक मेट्रो लाइन का निर्माण किया गया है।

इससे बानेर, पाषाण, शिवाजीनगर और औंध सहित कई क्षेत्रों में यातायात सुचारू होने की उम्मीद है। उद्घाटन समारोह के दौरान उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार और केंद्रीय मंत्री मुरलीधर मोहोल उपस्थित थे। उपमुख्यमंत्री ने याद दिलाया कि अजित पवार ने पुराने पुल को तोड़ने का साहसिक निर्णय लिया था।

समृद्धि कॉरिडोर पर दुर्घटनाओं में वृद्धि, मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर स्थिति बेहतर : आधिकारिक आंकड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। नागपुर-मुंबई समृद्धि महामार्ग पर 2025 में दुर्घटनाओं और उनमें होने वाली मौतों में तेजी से वृद्धि हुई, जबकि मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर दुर्घटनाओं में मामूली वृद्धि देखी गई। हालांकि, कुल दुर्घटनाओं में मामूली गिरावट आई है। अधिकारियों ने रविवार को महाराष्ट्र राजमार्ग पुलिस के अनंतिम आंकड़ों का हवाला देते हुए यह जानकारी दी।

राजमार्ग पुलिस के आंकड़ों के अनुसार, समृद्धि महामार्ग पर 2025 में 185 दुर्घटनाएं दर्ज की गईं, जो 2024 के आंकड़े 137 की तुलना में 35 प्रतिशत की वृद्धि है। विदर्भ के सबसे बड़े शहर को देश की वित्तीय राजधानी से जोड़ने वाले कॉरिडोर पर जानलेवा दुर्घटनाओं की संख्या 2024 के 96 से बढ़कर 2025 में 128 हो गई, जबकि मौतों की संख्या 126 से बढ़कर 152 हो गई, जो क्रमशः 33 प्रतिशत और 21 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाती है। आंकड़ों से पता चला कि गंभीर चोट का कारण बनने वाली दुर्घटनाओं की संख्या भी दोगुनी होकर 23 से बढ़कर 46 हो गई। ऐसी दुर्घटनाओं में गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों की संख्या 50 से बढ़कर 140 हो गई।

छह लेन वाला 'एक्सेस-कंट्रोल्ड समृद्धि कॉरिडोर' दिसंबर 2022 से चरणबद्ध तरीके से यातायात के लिए खोला गया था और इसका पूरा हिस्सा पिछले साल चालू हो गया था। वर्तमान में निगरानी में सुधार और सड़क सुरक्षा बढ़ाने के लिए एक 'इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम' (आईटीएमएस) लागू किया जा रहा है। महाराष्ट्र परिवहन आयुक्त के कार्यालय ने इस वर्ष 22 जनवरी को जारी अपनी प्रेस विज्ञप्ति में, समृद्धि महामार्ग पर दुर्घटनाओं और मौतों में वृद्धि का उल्लेख नहीं किया, हालांकि उसने देश के पहले 'एक्सेस-कंट्रोल्ड कॉरिडोर' मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर गंभीर दुर्घटनाओं और मौतों में कमी को उजागर किया। मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर 2025 में 187 दुर्घटनाएं हुईं, जो 2024 में हुई 191 दुर्घटनाओं से थोड़ी कम हैं।

पंजाब बजट: महिलाओं के लिए नकद अंतरण योजना, कोई नया कर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने रविवार को वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 2,60,437 करोड़ रुपए का बजट पेश किया।

बजट में अन्य बातों के अलावा पात्र महिलाओं के खातों में सीधे 1,000 रुपए से 1,500 रुपए प्रति माह अंतरित किए जाने का प्रस्ताव किया गया है।

पिछले विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी (आम) ने महिलाओं को वित्तीय सहायता देने का वादा किया था, जिसे उनसे सत्ता में आने के लगभग चार साल बाद पूरा किया। पंजाब की लगभग 97 प्रतिशत वयस्क महिलाएं इस योजना के लिए पात्र होंगी और बजट में इसके लिए 9,300 करोड़ रुपए निर्धारित किए गए हैं।

चीमा ने कहा कि वर्तमान या पूर्व स्थायी सरकारी कर्मचारी, वर्तमान और पूर्व सांसद/विधायक और आयकरदाता इस योजना के दायरे में नहीं आएंगे। 'मुख्यमंत्री मावां-धियां सत्कार योजना' (मुख्यमंत्री मां-बेटी सत्कार योजना) के तहत अनुसूचित जाति की महिलाओं को 1,500 रुपए प्रति माह और अन्य महिलाओं को 1,000 रुपए प्रति माह दिए जाएंगे।

चीमा ने 2,60,437 करोड़ रुपए के आवंटन के साथ बजट पेश करते हुए दावा किया कि पंजाब के लोगों से किया गया हर वादा पूरा कर दिया गया है। चीमा ने कहा कि यह नई योजना न केवल भारत की बल्कि महिलाओं के लिए दुनिया की पहली 'सार्वभौमिक नकद अंतरण' योजना होगी। पंजाब में 18 वर्ष से अधिक आयु की प्रत्येक महिला इस योजना के तहत नामांकन के लिए पात्र होगी। बाद में संवाददाताओं से बात करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि इस योजना के तहत पंजीकरण 13 अप्रैल बैसाखी के दिन से शुरू होगा।

वर्ष 2022 के पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले प्रति महिला 1,000 रुपए की मासिक सहायता देना सत्तारूढ़ दल का एक प्रमुख चुनावी वादा था। यह घोषणा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के साथ मेल खाती है। यह पहली बार है जब राज्य का बजट रविवार को पेश किया गया। वर्ष 2027 की शुरुआत में होने वाले चुनावों से पहले पंजाब में मान सरकार का यह आखिरी बजट था। अपने लगभग तीन घंटे लंबे बजट भाषण में चीमा ने आवंटन बढ़ाते हुए स्वास्थ्य, शिक्षा, खेल, कृषि और अन्य क्षेत्रों पर भी ध्यान केंद्रित किया। हालांकि, वित्त मंत्री ने कोई नया कर नहीं लगाया।

बजट दस्तावेजों के अनुसार वित्त वर्ष 2026-27 के लिए राज्य का बकाया कर्ज 4,47,754.78 करोड़ रुपए अनुमानित है, जबकि 2025-26 के संशोधित अनुमानों में यह 4,07,784.13 करोड़ रुपए था।

▪ RNI No. : TNHIN/2013/52520 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 221 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » सोमवार » 09-03-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 मोदी को पहले प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देना चाहिए : ममता

6 नीतीश कुमार को समझ पाना आसान नहीं

7 'छाप तिलक' दिल के करीब, खास है इसकी एनर्जी : मेधा शंकर

फर्स्ट टेक

ईरान संघर्ष : भारतीय विमानन कंपनियों ने 279 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द कीं

नई दिल्ली/भाषा। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण भारतीय विमानन कंपनियों ने रविवार को 279 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द कर दीं। इस क्षेत्र में अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच संघर्ष के कारण हवाई क्षेत्र बंद होने और प्रतिबंधों की वजह से उड़ान संचालन काफी हद तक बाधित हो गया है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने रविवार को कहा कि खाड़ी में मौजूदा स्थिति के कारण कई क्षेत्रों में उड़ानों का संचालन प्रभावित हुआ है। मंत्रालय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, भारतीय घरेलू विमानन कंपनियों द्वारा पश्चिम एशिया से भारत के लिए आज कुल 49 उड़ानें निर्धारित थीं। आठ मार्च को भारतीय विमानन कंपनियों द्वारा संचालित होने वाली 279 उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। एक अधिकारी ने बताया कि रविवार को मुंबई हवाई अड्डे पर कुल 66 उड़ानें रद्द कर दी गईं, जिनमें 34 प्रस्थान और 32 आगमन उड़ानें थीं।

सीमा पर जारी अभियान में 583 अफगान तालिबान आतंकवादी मारे गए : पाकिस्तान

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने पिछले महीने सीमा पर शुरू किए गए सैन्य अभियान में 583 अफगान तालिबान आतंकवादियों को मार गिराया है। रविवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों से यह जानकारी प्राप्त हुई। अफगान तालिबान द्वारा सीमावर्ती इलाकों में 53 स्थानों पर हमले के बाद पाकिस्तान ने 26 फरवरी को ऑपरेशन गजब-लिल-हक शुरू किया। सूचना मंत्री अत्ताउल्लाह तरार ने सोशल मीडिया पर अपडेट देते हुए कहा कि तालिबान को हुए नुकसान में 583 लोग मारे गए और 795 घायल हुए हैं।

झांसी में ट्रक से पांच सौ से ज्यादा गैस सिलेंडर चोरी

झांसी (उप्र)/भाषा। झांसी जिले के सीपरी बाजार थाना क्षेत्र में भारत पेट्रोलियम से संबद्ध एक ट्रक से 500 से अधिक एलपीजी गैस सिलेंडर चोरी का मामला सामने आया है । पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। थाना सीपरी बाजार के प्रभारी जयप्रकाश चौबे ने बताया कि रायगंज निवासी नीरज अग्रवाल का एक ट्रक करारी स्थित भारत पेट्रोलियम संयंत्र से संबद्ध है। उन्होंने बताया कि होली के पहले उनके चालक राजकुमार ने 524 गैस सिलेंडर लादकर ट्रक करारी डिपो के बाहर खड़ा कर दिया और होली अवकाश पर चले गए। थाना प्रभारी ने बताया कि होली के बाद चालक जब ट्रक लेने डिपो पहुंचे तो वहां ट्रक नहीं था।

09-03-2026 सूर्यास्त 6:18 बजे | 10-03-2026 सूर्योदय 6:19 बजे

BSE	NSE
78,918.90	24,450.45
(-1,097.00)	(-315.45)

सोना	चांदी
16,849 रु.	277,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

वाद पर वाद

आए चुनाव लो शुरू हुआ,
तू-तू मैं-मैं तकरारवाद।
आक्षेप और हथकण्डों से,
आपस में फैला खारवाद।
नीचे से ऊपर सभी जगह,
सिस्टम में अब परिवारवाद।
सच को झुठलाते सारे दल,
कब आएगा स्वीकारवाद।।

अब विकास की गति तेज हुई : मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दो नए मेट्रो कॉरिडोर समेत 33,500 करोड़ रुपए की लागत वाली परियोजनाओं का उद्घाटन और शुरुआत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दिल्ली न केवल भारत की राजधानी है, बल्कि यह भारत की पहचान और उसकी ऊर्जा का प्रतीक भी है।

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में एक साल पहले भाजपा सरकार के गठन के बाद से दिल्ली में चौतरफा विकास की गति तेज हुई है। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी (आप) के शासनकाल में बहानेबाजी के कारण काम रुका रहा और परियोजनाएं ''फाइलों में ही दम तोड़ती रहीं''।

दो नए मेट्रो कॉरिडोर समेत 33,500 करोड़ रुपए की लागत वाली परियोजनाओं का उद्घाटन और शुरुआत करने के बाद बुराड़ी मैदान में एक सभा को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि दिल्ली न केवल देश की राजधानी है, बल्कि भारत की पहचान और उसकी ऊर्जा का प्रतीक भी है। उन्होंने कहा कि एक समय ऐसा भी था जब दिल्ली की अक्षम परिवहन व्यवस्था के लिए अक्सर आलोचना की जाती थी। उन्होंने कहा, ''शहर के एक हिस्से से दूसरे हिस्से तक आने-जाने में घंटों लग जाते थे और महिलाओं को अक्सर बस या ऑटो-रिक्शा पकड़ने की उम्मीद में लंबे समय तक बस स्टॉप पर इंतजार करना पड़ता था। हालांकि, दिल्ली में स्थिति तेजी से बदल रही है।''

मोदी ने कहा कि कुछ ही दिन पहले, शहर को 'नमो भारत' ट्रेन के माध्यम से पश्चिमी उत्तर प्रदेश से जोड़ा गया था, जिससे दोनों क्षेत्रों के बीच यात्रा काफी आसान हो गई है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि मेट्रो के चौथे चरण की शुरुआत के साथ, दिल्ली मेट्रो नेटवर्क का विस्तार अब 375 किलोमीटर से अधिक हो गया है, जिससे निवासियों के लिए कनेक्टिविटी और सुविधा में और सुधार हुआ है। उन्होंने कहा, ''जब भी दुनिया में, कोई भारत के बारे में सोचता है, तो अक्सर दिल्ली की छवि दिमाग में आती है... दिल्ली न केवल भारत की राजधानी है, बल्कि यह भारत की पहचान और उसकी ऊर्जा का प्रतीक भी है।'' उन्होंने कहा कि दिल्ली का विकास केवल एक शहर का विकास नहीं है, बल्कि यह पूरे देश की छवि से जुड़ा हुआ है।

मोदी ने कहा, ''एक साल पहले जिस नई उम्मीद और दृढ़ संकल्प के साथ आपने दिल्ली में भाजपा सरकार का गठन किया था, उसका परिणाम आज यहां दिखाई दे रहा है। मैं दिल्ली के सभी नागरिकों को विकास की इस निरंतर धारा के लिए हार्दिक बधाई देता हूं।''

प्रधानमंत्री ने आम आदमी पार्टी (आप) की पूर्व सरकार की कड़ी आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि ''आपदा सरकार'' ने दिल्ली में 10 वर्षों तक सभी विकास कार्यों को रोक दिया था। उन्होंने कहा, ''उनका तरीका था कम काम करना और ज्यादा बहाने बनाना।

भारत ने तीसरी बार टी20 विश्व कप जीतकर इतिहास रचा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

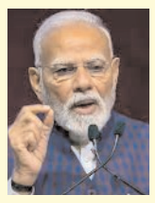

"चैंपियंस! आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप जीतने पर भारतीय टीम को हार्दिक बधाई। यह शानदार जीत उनके असाधारण कौशल, दृढ़ संकल्प और टीमवर्क को दर्शाती है। पूरे टूर्नामेंट के दौरान उन्होंने बेहतरीन जज्बा दिखाया। इस जीत ने हर भारतीय के दिल को गर्व और खुशी से भर दिया है। शाबास, टीम इंडिया।

अहमदाबाद/भाषा। सूर्यकुमार यादव की टीम ने भारतीय क्रिकेट का एक और स्वर्णिम अध्याय लिखते हुए रविवार को न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर भारत को तीसरी बार टी20 विश्व कप दिलाया जिसमें संजू सैमसन की भूमिका अहम रही तो जसप्रीत बुमराह के योगदान को भी याद रखा जायेगा ।

भारतीय टीम लगातार दूसरी बार टी20 विश्व कप जीतने वाली पहली पुरुष अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट टीम बनी ।

इसके साथ ही तीन साल पहले इसी मैदान पर आस्ट्रेलिया से वनडे विश्व कप फाइनल हारने वाली रोहित शर्मा की टीम के पुराने जख्मों पर भी मरहम लग गया होगा ।

संजू सैमसन ने 46 गेंद में 89 और अभिषेक शर्मा ने 21 गेंद में 52 रन बनाकर भारत को पावरप्ले में ही 98 रन तक पहुंचाते हुए जीत की नींव रख दी थी । भारत ने पहले बल्लेबाजी के लिये भेजे जाने पर पांच विकेट पर 255 रन बनाये ।

न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सेंटनेर को कोल मैकोंची की जगह जैकब डफी को अंतिम एकादश में उतारने का खामियाजा भुगतना पड़ा । करीब 86000 दर्शकों के सामने न्यूजीलैंड की टीम 159 रन पर आउट हो गई ।

मुंबई के चैंबूर में रहने वाले सूर्यकुमार ने अपना नाम महेंद्र सिंह धोनी और रोहित शर्मा के बाद टी20 विश्व कप जीतने वाले कप्तानों में शामिल कर लिया । वहीं लगातार दो टी20 विश्व कप जिताने वाले कोच गौतम गंभीर के योगदान को भी भुलाया नहीं जा सकता ।

महिलाएं सशक्त हैं, दूसरों से कमतर नहीं होतीं : राष्ट्रपति मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अवसर और समर्थन मिलने पर महिलाएं हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकती हैं।

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने महिलाओं की ताकत और उपलब्धियों की रविवार को सराहना करते हुए उन्हें उनकी पूरी क्षमता का एहसास कराने के लिए प्रोत्साहित कियास। मुर्मू ने कहा, ''हम किसी से कमतर नहीं हैं।''

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय श्रेरा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि यह अवसर न केवल महिलाओं की उपलब्धियों को सम्मानित करने का है, बल्कि उनके सशक्तीकरण के प्रति राष्ट्र की प्रतिबद्धता को भी दोहराने का है।

मुर्मू ने शिक्षा, प्रशासन, न्यायपालिका, सशस्त्र बलों, चिकित्सा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, कला, उद्यमिता और खेल में महिलाओं की अग्रणी भूमिकाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ग्रामीण महिलाएं स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रही हैं और ग्राम विकास में नेतृत्व प्रदान कर रही हैं, वहीं महिलाएं रोजगार, स्टार्टअप और कॉर्पोरेट क्षेत्र में भी अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा, ''अवसर और समर्थन मिलने पर महिलाएं हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकती हैं।''

मुर्मू ने कहा, ''महिलाओ में दम है, हम किसी से कम नहीं। हममें भी दम है।''

राष्ट्रपति ने इस बात पर जोर दिया कि यद्यपि कई उपलब्धियां हासिल की गई हैं, फिर भी समाज में महिलाओं की समान भागीदारी सुनिश्चित करने में कई बाधाएं मौजूद हैं। उन्होंने कहा, ''इन चुनौतियों का समाधान केवल कानून से नहीं हो सकता। हमें अपनी सोच बदलनी होगी।'' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि माता-पिता को घर में बेटियों और बेटों के बीच भेदभाव नहीं करना चाहिए।

कर्नाटक के एक आवासीय स्कूल में छात्र ने सहपाठियों पर हमला किया, एक की मौत

बल्लारी (कर्नाटक)/भाषा। बल्लारी के एक निजी आवासीय विद्यालय में नौंवी कक्षा के एक छात्र ने कथित तौर पर हमला करके एक व्यक्ति की हत्या कर दी और अन्य को एक नुकीली वस्तु व लोहे की छड़ से घायल कर दिया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह घटना शनिवार रात स्कूल के छात्रावास में घटी। मृतक लड़का आंध्र प्रदेश का निवासी था। शव को पोस्टमार्टम के लिए 'विजयनगर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज' (वीआईएमएस), बल्लारी ले जाया गया। अधिकारियों के अनुसार, घटना के पीछे के मकसद और उसमें इस्तेमाल किए गए हथियार का पता लगाने के लिए जांच जारी है। आरोपी छात्र घटनास्थल से तुरंत फरार हो गया और उसे पकड़ने के लिए तलाशी अभियान जारी है। इस घटना में एक छात्रा समेत सात अन्य छात्र और छात्रावास के वार्डन घायल हो गए। बल्लारी की पुलिस अधीक्षक (एसपी) सुमन डी पेन्नेकर ने पत्रकारों को बताया कि घायलों को मामूली से लेकर गंभीर चोटें आई हैं।

मेला

रविवार को कलबुर्गी में आयोजित श्री शरणबसवेश्वर जात्रा का दृश्य, जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु और लोग मेले में शामिल हुए।

मैं ऐसे परिवार में पला-बढ़ा हूं, जहां महिलाएं ही प्रमुख रहीं : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जब महिलाएं अपनी क्षमता को पहचानती हैं और खुले दिमाग से आगे बढ़ती हैं, तो वे असाधारण बदलाव ला सकती हैं।

हर महिला अद्वितीय है। उनकी संवेदनशीलता, समझ और भावनात्मक बुद्धिमत्ता समाज को संतुलन व दिशा प्रदान करती है।

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने हाल में केरल में छात्राओं से बातचीत के दौरान कहा कि वह एक ऐसे परिवार में पले-बढ़े हैं जहां महिलाएं ही प्रमुख हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि महिलाएं आम तौर पर पुरुषों से अधिक बुद्धिमान होती हैं।

राहुल गांधी ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर अपने यूट्यूब चैनल पर छात्राओं के साथ हुई बातचीत का एक वीडियो रविवार को पोस्ट किया और बताया कि कुछ दिन पहले केरल में दोपहर के भोजन के दौरान उनकी कुछ छात्राओं से मुलाकात हुई और उनसे बहुत ही रोचक बातचीत हुई।

लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा, ''मैं प्रत्येक छात्रा के सपनों, जिज्ञासा और आत्मविश्वास से बहुत प्रभावित हुआ। ऐसी बातचीत हमें याद दिलाती है कि जब महिलाएं अपनी क्षमता को पहचानती हैं और खुले दिमाग से आगे बढ़ती हैं, तो वे असाधारण बदलाव ला सकती हैं।''

राहुल ने वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा, ''हर महिला अद्वितीय है। उनकी संवेदनशीलता, समझ और भावनात्मक बुद्धिमत्ता समाज को संतुलन व दिशा प्रदान करती है। महिलाएं धैर्य, दूरदर्शिता और सहानुभूति के साथ अपने अनूठे तरीकों से शक्ति का प्रयोग करती हैं।'' उन्होंने कहा, ''इसलिए, उन्हें समाज के प्रतिबंधात्मक मानदंडों से बंधे रहने के बजाय अपनी पहचान, व्यक्तित्व और आकांक्षाओं के अनुसार आगे बढ़ने का पूरा अधिकार होना चाहिए।''

राहुल ने कहा, ''अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर सभी महिलाओं को हार्दिक शुभकामनाएं। आपकी शक्ति, साहस और सपने समाज को एक सकारात्मक भविष्य की ओर आगे बढ़ाते रहें।'' उन्होंने कहा कि केरल की कुछ छात्राओं से बातचीत बेहद प्रेरणादायक रही।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा, ''उनका (छात्राओं का) आत्मविश्वास और अपने सपनों पर विश्वास यह दर्शाता है कि महिलाएं ही बदलाव की असली ताकत हैं।''

राहुल वीडियो में छात्राओं के साथ बेबाक बातचीत करते नजर आ रहे हैं। राहुल ने छात्राओं से कहा, ''मैं ऐसे परिवार में पला-बढ़ा हूं जहां महिलाएं ही घर की प्रमुख थीं। मेरे परिवार की मुखिया मेरी दादी थीं और मेरे परिवार में, जैसे इस मेज की तरह हमेशा महिलाओं की संख्या पुरुषों से अधिक रही है।'' उन्होंने कहा, ''महिलाएं आमतौर पर पुरुषों से ज्यादा बुद्धिमान होती हैं। पुरुष जल्दबाजी में रहते हैं और छोटी-छोटी बातों में उलझ जाते हैं। □

बादशाह ने 'टटीरी' गीत को सभी मंचों से हटाया

नई दिल्ली/भाषा। बादशाह के नए गीत 'टटीरी' में महिलाओं और नाबालिगों के बारे में आपत्तिजनक बोल होने के आरोप लगाए जाने के बाद गायक-गीतकार ने माफी मांगते हुए कहा कि इस गाने को सभी मंच से हटा लिया गया है। 'अभी तो पार्टी शरू हुई है' और 'गेंदा फूल' जैसे गानों के लिए प्रसिद्ध 40 वर्षीय बादशाह ने शनिवार को 'इंस्टाग्राम' पर एक वीडियो साझा किया। उन्होंने वीडियो में कहा, मेरा नया गीत रिलीज हुआ है और मैं देख रहा हूं कि इसके बोल और दृश्य प्रस्तुति ने खासकर हरियाणा के कई लोगों को दुख पहुंचाया है। सबसे पहले, मैं कहना चाहता हूं कि मैं हरियाणा से हूं। जो लोग मुझे जानते हैं, वे यह बता सकते हैं कि मेरी पूरी पहचान इसी पर आधारित है। मुझे हरियाणवी होने पर गर्व है। बादशाह ने कहा कि उन्होंने हमेशा हरियाणा की संस्कृति को बढ़ावा देने की कोशिश की है और कभी भी किसी को आहत करना उनका मकसद नहीं रहा।

पुतिन ने यूक्रेन संकट के लिए पश्चिमी देशों को दोषी ठहराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मॉस्को/भाषा। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन संकट को भड़काने के लिए पश्चिमी देशों को दोषी ठहराया है और कहा कि यह संघर्ष कीव में सत्ता परिवर्तन के लिए उन राष्ट्रों के समर्थन से उत्पन्न हुआ है।

पुतिन ने यह टिप्पणी सरकारी टेलीविजन कार्यक्रम ''मॉस्को, क्रेमलिन, पुतिन'' को दिये एक साक्षात्कार में की, जिसके कुछ अंश रविवार को रूसिया 24 चैनल पर प्रसारित किये गए। उन्होंने कहा, ''यूक्रेन संकट की शुरुआत कहां से हुई? यह यूक्रेन में तख्तापलट के लिए पश्चिमी देशों के समर्थन से, फिर क्रीमिया की घटनाओं से, और फिर दक्षिण-पूर्वी यूक्रेन - डोनबास और नोवोरोसिया में हुई घटनाओं से उत्पन्न हुआ। वहीं से सब कुछ शुरू हुआ।''

पुतिन ने कहा, ''इसमें हमारी भूमिका नहीं है बल्कि यह पश्चिमी देशों, जिनमें यूरोपीय देश भी शामिल हैं, की करतूत है। अब वे अपने कर्मों का फल भोग रहे हैं।''

उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब रूस और यूक्रेन के बीच अमेरिका की मध्यस्थता में होने वाली शांति वार्ता का अगला दौर अनिश्चित बना हुआ है।

पुतिन ने यूक्रेनी नेतृत्व पर यूरोपीय देशों को गुमराह करने का आरोप लगाया और कहा कि यह एक ऐसी स्थिति होती है, ''जिसमें एक बड़े समूह को एक छोटे समूह को संतुष्ट करने के लिए कुछ करना पड़ता है।''

पुतिन यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की द्वारा रूसी सेनाओं का मुकाबला करने के लिए पश्चिमी सहयोगियों से अधिक हथियारों की मांग और हंगरी सहित पड़ोसी यूरोपीय देशों को ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित करने संबंधी कीव के प्रयासों का जिक्र कर रहे थे।

इस बीच, पुतिन ने टेलीविजन पर प्रसारित अपने संबोधन में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रूसी महिलाओं को बधाई दी।

महिलाओं के नेतृत्व में विकास - यही नए भारत की दिशा : राज्यवर्धन सिंह राठौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि महिलाओं की तरक्की में सामाजिक जागरूकता की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू की गई 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' योजना से धरातल पर सकारात्मक बदलाव सामने आने लगे हैं। आज देश के हर क्षेत्र में महिलाएं बेहतरीन प्रदर्शन कर रही हैं। वर्ष 2014 के बाद से महिला सशक्तीकरण की दिशा में एक नई चर्चा शुरू हुई है। कर्नल राठौड़ रविवार को कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित महिला सम्मान समारोह एवं परिचर्चा को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार की योजनाओं से महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव आए हैं। महिलाओं को उद्यम से जोड़ने के लिए उद्योग विभाग की विभिन्न योजनाओं में अतिरिक्त सब्सिडी सहित अन्य प्रावधान किए गए हैं।

उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था में महिलाओं की बड़ी भूमिका है। विकसित भारत-2047 के विजन में गांव-कस्बों में महिलाओं द्वारा चलाए जाने वाले छोटे-छोटे उद्यमों का महत्वपूर्ण योगदान होगा। आज औद्योगिक क्षेत्र में भी महिलाएं बेहतरीन प्रदर्शन कर रही हैं। उन्होंने सफल महिला उद्यमियों से आह्वान किया कि वे अधिक से अधिक महिलाओं को प्रोत्साहित करें और उन्हें केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं से जोड़ें, ताकि सभी को इनका लाभ मिल सके।

कर्नल राठौड़ ने उद्यमी, खिलाड़ी और अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 11 महिलाओं को एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित किया। विभाग में कार्यरत महिला कार्मिकों को भी विशेष कार्यों के लिए सम्मानित किया। साथ ही, एक शहीद आश्रित की पुत्री को उद्योग प्रसार अधिकारी पद के लिए नियुक्ति पत्र भी प्रदान किया। योजनाओं के तहत 2 महिलाओं को ऋण के चेक, 9 महिलाओं को स्वीकृति पत्र और 2 महिलाओं को रीको के तहत भूमि आवंटन पत्र भी प्रदान किए गए। इस दौरान एक लाइव गेम का आयोजन किया गया, जिसमें एक ई-साइकिल और एक स्पोर्ट्स साइकिल प्रदान की गई। इससे पहले ओडीओपी नीति के तहत आईसीईएस की 'कौशल वाहिनी- स्किल ऑन व्हील्स' को झंडी दिखाकर शिल्पकारों के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ किया। उद्योग एवं वाणिज्य विभाग की विभिन्न योजनाओं के लाभ प्राप्त करने वाले 10 उद्यमी महिलाओं ने अपने अनुभव साझा किए। इस दौरान उन्होंने बताया कि इन योजनाओं के लाभ से काफी प्रोत्साहन मिला है। उद्योग शुरू करने में आर्थिक सहयोग के अलावा देश-विदेश में अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने पर भी अनुदान मिल रहा है। इस दौरान रान्जका गारमेंट की श्रीमती डेमा मित्तल ने कहा कि राजस्थान निर्यात प्रोत्साहन नीति से काफी लाभ मिला है। सरकार के सहयोग से यूएसए में अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने का मौका मिला है, अब वहां से ऑर्डर मिल रहे हैं।

महिला दिवस को ध्यान में रखते हुए इस आयोजन को और भी विशेष बनाने के लिए सारी जिम्मेदारी विभाग की महिला अधिकारियों को ही सौंपी गई है। आयोजन की पूर्व रूपरेखा तैयार करने के साथ ही पंजीकरण से लेकर स्टेज तक सारा कार्य महिला अधिकारियों द्वारा ही संपादित किया गया। रीको एमडी श्रीमती शिवांगी स्वर्णकार द्वारा स्वागत उद्बोधन और राजस्थान फाउंडेशन की आयुक्त श्रीमती मनीषा अरोड़ा द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

इस अवसर अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल, आयुक्त सुरेश ओला सहित उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और राजस्थली की श्रीमती माया ठाकुर सहित अन्य महिला उद्यमी मौजूद रहे। साथ ही, फिक्की फ्लो की चैयरपर्सन डॉ. रिम्मी शेखावत, सीआईआई इंडियन वुमेन नेटवर्क की चैयरपर्सन सुश्रद्धा अग्रवाल, आरसीसीआई यंग वुमेन एंटरप्रीन्योर की चैयरपर्सन सुचांदनी जग्गा और लघु उद्योग भारती की राष्ट्रीय सचिव सुअंजु सिंह ने भी संबोधित किया।

जयपुर में आरयूएचएस में बच्ची का 'स्मार्ट कॉक्लियर इंप्लांट' का सफल ऑपरेशन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (आरयूएचएस) के कान, नाक और गला विभाग के चिकित्सकों ने उदयपुर निवासी तीन वर्षीय बच्ची के कान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित 'स्मार्ट कॉक्लियर इम्प्लांट' लगाने का सफल ऑपरेशन किया जो सरकारी स्तर पर राज्य में इस प्रकार की पहली सर्जरी है। चिकित्सकों ने रविवार को यह जानकारी दी। चिकित्सकों ने बताया कि शनाया नाम की तीन साल की बच्ची का यह ऑपरेशन किया गया। उन्होंने बताया कि करीब तीन घंटे चले इस ऑपरेशन के बाद बच्ची स्वस्थ है तथा वह अगले 21 दिन बाद सुन और बोल सकेगी।

आरयूएचएस के कान, नाक और गला विभाग के सीनियर प्रोफेसर डॉ. मोहनीश ग्रोवर ने बताया कि सरकारी स्तर पर प्रदेश में इस तरह का यह पहला आधुनिक 'कॉक्लियर इम्प्लांट' है, जो श्रवण बाधित बच्चों के उपचार में एक नयी दिशा प्रदान करेगा। उन्होंने बताया कि इस ऑपरेशन के बाद शनाया के लिए सुनने और बोलने की संभावनाएं काफी बेहतर हो गई हैं। शनाया के पिता ने बताया कि ऐसा नहीं था कि उनकी बेटी को जन्म से ही कुछ सुनाई नहीं देता था।

उन्होंने कहा, घर में भजन या गीत बजाए जाने पर उसे आवाज का आभास हो जाता था लेकिन दो साल की उम्र के बाद उसे सुनाई देना अचानक बंद हो गया। डॉ. मोहनीश ने बताया कि इस 'इम्प्लांट' में लगी चिप अत्यंत तेज और उन्नत प्रोसेसिंग क्षमता के साथ काम करती है, जिससे ध्वनि की गुणवत्ता बेहतर बनती है। उन्होंने कहा, कान के अंदर लगाया जाने वाला यह 'इम्प्लांट' करीब 30 साल तक काम कर सकता है। ध्वनि संसाधक (साउंड प्रोसेसर) की बैटरी बाहर लगी होती है, जो तीन साल तक चलती है।

उन्होंने कहा, इस 'इम्प्लांट' में 'स्मार्ट नेवर' तकनीक है, जो ऑपरेशन के दौरान इम्प्लांट की सही जगह बताती है। इसमें आंतरिक मेमोरी है, जिसमें मरीज की मैपिंग और तथ्य सुरक्षित रखा जा सकता है।

इसे स्मार्टफोन की तरह समय-समय पर अपडेट किया जा सकेगा। डॉ. मोहनीश ग्रोवर, डॉ. राघव मेहता, डॉ. रश्मि अग्रवाल तथा डॉ. अंबिका देवरा ने यह जटिल ऑपरेशन किया। चिकित्सा शिक्षा विभाग के आयुक्त नरेश कुमार गोयल ने इस अवसर पर कहा, यह राज्य में उन्नत चिकित्सा सेवाओं की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

इस प्रकार की पहल से प्रदेश में मरीजों को बेहतर एवं उन्नत स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के प्रयासों को और मजबूती मिलेगी। साथ ही भविष्य में अधिक से अधिक मरीजों को अपने राज्य में आधुनिक उपचार की सुविधा प्राप्त हो सकेगी। आरयूएचएस के प्राचार्य डॉ. विनोद जोशी ने कहा, यह पूरे राजस्थान के लिए गर्व का विषय है कि इस प्रकार का अत्याधुनिक 'कॉक्लियर इम्प्लांट' राज्य में पहली बार सफलतापूर्वक किया गया है।

जालोर में दामाद ने कैंची से काटी सास की नाक

जयपुर। राजस्थान के जालोर जिले में एक व्यक्ति ने पारिवारिक विवाद के कारण शनिवार शाम को अपनी सास पर कथित रूप से कैंची से हमला कर उसकी नाक काट दी। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना डूंगरी के बंधा गांव में हुई। आरोपी सोहनलाल घटना के बाद नाक का कटा हुआ हिस्सा लेकर मौके से फरार हो गया। पुलिस के अनुसार सोहनलाल का अपनी पत्नी के परिवार से लंबे समय से विवाद था। दोनों की शादी लगभग छह साल पहले हुई थी। पति-पत्नी पिछले एक साल से अलग रह रहे थे और समुदाय के प्रयासों के बावजूद विवाद का समाधान नहीं हो पाया था।

पुलिस ने बताया कि पिछले कई दिनों से दोनों परिवारों में तनाव था और शनिवार शाम को घर पर उनके बीच बहस भी हुई थी। शाम को पीड़िता केली देवी अपने दामाद सोहनलाल के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने स्थानीय थाने जा रही थीं, तभी आरोपी ने उन पर कैंची से हमला कर उनकी नाक काट दी। सरवाना थाना प्रभारी मोहनलाल ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और आरोपी की तलाश की जा रही है। उन्होंने कहा, परिवार के सदस्य महिला को इलाज के लिए गुजरात के मेहसाणा ले गए हैं। महिला और परिवार के बयान अभी दर्ज नहीं किए गए हैं।

भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर, सर्जिकल स्ट्राइक जैसे अभियानों में दुश्मनों को मुंहतोड़ जवाब दिया : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राष्ट्र सेवा में राजस्थान के वीरों की अग्रणी भूमिका रही है। यहां गांवों में कोई न कोई ऐसा परिवार है जिसने सेना की वर्दी पहनी है। उन्होंने कहा कि सैनिक कभी सेवानिवृत्त नहीं होते, वे आजीवन राष्ट्रहित और समाजहित के लिए निरन्तर कार्य करते हैं। उनका त्याग और बलिदान से परिपूर्ण जीवन हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। शर्मा रविवार को चूरू के जिला खेल स्टेडियम में आयोजित गौरव सेनानी समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि चूरू और शेखावाटी की धरती ने देशप्रेम के भाव को सदैव जीवंत रखा है। परमवीर चक्र विजेता पीरू सिंह, मेजर शैतान सिंह, लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह राठौड़ जैसे वीर सपूतों ने राजस्थान का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने चूरू के जिला खेल स्टेडियम का नाम 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में अद्भुत साहस का प्रदर्शन करने वाले लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह राठौड़ के नाम पर रखे जाने की घोषणा भी की। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत एक प्रमुख विश्व शक्ति बन कर उभर रहा है। भारतीय सेना ने सर्जिकल स्ट्राइक, बालाकोट एयर स्ट्राइक, ऑपरेशन पराक्रम, ऑपरेशन रक्षक और ऑपरेशन सिंदूर जैसे अभियानों के माध्यम से दुश्मनों को मुंहतोड़ जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि आज हमारा देश रक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रहा है।

शर्मा ने कहा कि वीर सपूतों ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। वीर नारियों और वीरांगनाओं का त्याग भी हमारे लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि वीर सैनिकों और उनके परिवारों की समस्याओं के समाधान के लिए राज्य सरकार कटिबद्ध है। इसी कड़ी में, घर-घर जाकर पूर्व सैनिकों, वीर नारियों और उनके परिवारों से संवाद किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार सैनिकों, पूर्व सैनिकों तथा उनके आश्रितों को विभिन्न सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने के लिए एकीकृत सैनिक कल्याण कॉम्पलेक्स का चरणबद्ध निर्माण कर रही है। इन कॉम्पलेक्सेज में जिला सैनिक कल्याण कार्यालय, युद्ध स्मारक, सैनिक कैंटीन, स्वास्थ्य केंद्र और सामुदायिक भवन एक ही छत के नीचे उपलब्ध होंगे। प्रथम चरण में 36 करोड़ रुपये की लागत से जोधपुर, टोंक, शेरगढ़ और झुंझुनूं में इन कॉम्पलेक्स का निर्माण करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि जोधपुर में मेजर शैतान सिंह कौशल विकास एवं प्रशिक्षण केंद्र और झुंझुनूं में 'वॉर म्यूजियम' की स्थापना भी की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार सैनिक और उनके परिवारों को सुविधाएं एवं सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। आरटीडीसी के होटलों और गेस्ट हाउसों में वीरांगनाओं को 50 प्रतिशत और सेवारत एवं पूर्व सैनिकों को 25 प्रतिशत की छूट देने के साथ ही, नवीन जिला सैनिक कल्याण कार्यालय भी खोले जा रहे हैं। विभिन्न विभागों में रेक्सको के माध्यम से नियोजित पूर्व सैनिकों के मानदेय में पिछले 2 वर्ष में 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। वहीं, द्वितीय विश्व युद्ध के पूर्व सैनिकों को मिलने वाली पेंशन 10 हजार से बढ़ाकर 15 हजार रुपये प्रतिमाह की गई है।

गृह रक्षा विभाग को तकनीकी सक्षम एवं सशक्त बनाने पर जोर : श्रीनिवास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुख्य सचिव ने विभाग की आईटी एवं सरंचना को सुढ़ करने एवं एचडीएमएस प्रणाली की कार्यात्मक क्षमताओं का विस्तार करने के निर्देश देते हुए कहा कि इससे स्वयंसेवकों के नियोजन, प्रशिक्षण तथा सेवा प्रबंधन में पारदर्शिता एवं दक्षता सुनिश्चित होगी।

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने रविवार को गृह रक्षा विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक लेकर विभाग की वर्तमान स्थिति, उपलब्धियों तथा भावी कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा की। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने गृह रक्षा विभाग के आधुनिकीकरण को राज्य सरकार की ह्रदीर्घकालीन परिकल्पना 'विकसित राजस्थान2047' के अनुरूप गति देने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि होमगार्ड स्वयंसेवकों को केवल आरक्षित सहायक बल के रूप में सीमित न रखते हुए उन्हें एक सक्रिय तकनीकी रक्षक और मुख्य धारा में एकीकृत सहायक बल के रूप में विकसित किया जाए।

उन्होंने आपदा प्रबंधन में होमगार्ड की अग्रिम भूमिका को सुदृढ़ करने, जयपुर सहित प्रदेशभर में यातायात प्रबंधन में उनकी संस्थागत एवं परिचालनात्मक भागीदारी बढ़ाने तथा नवीनतम तकनीकों के अनुरूप उनके प्रशिक्षण एवं क्षमता सर्वंधन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने विभाग की आईटी एवं सरंचना को सुदृढ़ करने एवं एचडीएमएस प्रणाली की कार्यात्मक क्षमताओं का विस्तार करने के निर्देश देते हुए कहा कि इससे स्वयंसेवकों के नियोजन, प्रशिक्षण तथा सेवा प्रबंधन में पारदर्शिता एवं दक्षता सुनिश्चित होगी। उन्होंने कहा कि इस प्रकार गृह रक्षा दल राज्य की सुरक्षा व्यवस्था में एक विश्वसनीय, सक्रिय एवं तकनीकी सक्षम सहायक बल के रूप में और अधिक सुदृढ़ भूमिका निभा सकेगा।

वी. श्रीनिवास ने विभागीय केडर रिव्यू, स्वयंसेवकों को देय शीतकालीन वर्दी वितरण प्रणाली में विद्यमान विसंगतियों के समाधान तथा विभाग में आईटी सेल की स्थापना जैसे महत्वपूर्ण विषयों की प्रगति पर सकारात्मक दृष्टिकोण व्यक्त किया गया। उन्होंने आश्वस्त किया कि इन विषयों पर आगामी तीन माह के भीतर पुन: समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी तथा लंबित प्रस्तावों पर निर्णय लिये जाएंगे। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) भास्कर ए. सावंत, महानिदेशक गृह रक्षा श्रीमती मालिनी अग्रवाल, संयुक्त शासन सचिव गृह (ग्रुप-7) श्रीमती सोविला माथुर, निदेशालय अधिकारीगणों सहित समस्त जिलों के गृह रक्षा कमांडेंट उपस्थित रहे।

पुलिस दूरसंचार अधीक्षक ने जातिसूचक टिप्पणी की

जयपुर। राजस्थान पुलिस मुख्यालय में एक बैठक के दौरान जातिसूचक टिप्पणी करने के आरोप में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने अपने अधीनस्थ के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। ज्योति नगर थाना प्रभारी संतरा मीणा ने बताया, पुलिस दूरसंचार निदेशक दौलतराम अटल की शिकायत पर शुक्रवार को पुलिस दूरसंचार अधीक्षक नीतू बुगालिया के खिलाफ अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति अधिनियम की धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। उन्होंने बताया कि पांच मार्च की शाम पुलिस मुख्यालय में अपर पुलिस महानिदेशक(साइबर अपराध और तकनीकी सेवाएं) वी.के. सिंह की अध्यक्षता में बैठक हुई थी।

झुंझनू में डंपर ने बुजुर्ग को कुचला

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान के झुंझुनू जिले में शनिवार रात एक डंपर ने एक बुजुर्ग को कुचल दिया जिससे उनकी मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि इस घटना के आक्रोशित ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन किया और पुलिस पर पथराव किया जिससे चार पुलिसकर्मी घायल हो गए। उसनक बताया कि मृतक की पहचान धूदाराम (70) के रूप में हुई है। उसने बताया कि धूदाराम सड़क किनारे पैदल चल रहे थे, तभी खनन क्षेत्र से आ रहे डंपर ने उन्हें टक्कर मार दी जिससे उनकी मौत हो गई।

उसने बताया कि इस घटना के बाद ग्रामीण मेहड़ा गांव में एकत्र हो गए और बाद में उन्होंने क्षमता से अधिक सामान लेकर डंपर चलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की स्थानीय थाने में पहुंचकर मांग की। पुलिस ने बताया कि इस दौरान कुछ लोगों ने पुलिस वाहन पलटने का प्रयास किया। उसने बताया कि पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की लेकिन तभी भीड़ ने पथराव शुरू कर दिया जिसमें चार पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि भीड़ ने सड़क बाधित करने की भी कोशिश की, लेकिन पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर किया और स्थिति को नियंत्रण में लिया।

जयपुर की पहचान : अमित पाबूवाल ने बनाई थी टी20 विश्व कप ट्रॉफी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। आईसीसी टी20 विश्व कप के रविवार को होने वाले फाइनल पर दुनिया भर के क्रिकेट प्रेमियों की नजरें रहेंगी तो वहीं जयपुर ने भी इस विश्व कप में अपनी अमिट छाप छोड़ी है क्योंकि इसकी ट्रॉफी जयपुर में बनी है। जयपुर के प्रसिद्ध ट्रॉफी डिजाइनर अमित पाबूवाल ने इस ट्रॉफी को डिजाइन किया था। आईसीसी टी20 विश्व कप का फाइनल रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेला जाना है। इस ट्रॉफी को डिजाइन करने के पीछे की कहानी पाबूवाल ने पीटीआई-भाषा के साथ साझा करते हुए बताया कि 2007 में विश्व कप ट्रॉफी की डिजाइन की रूपरेखा ऑस्ट्रेलिया की मिनाले ब्रायस कंपनी ने तैयार की थी। टी20 विश्व कप का पहला सत्र 2007 में हुआ था जिसमें भारत चैंपियन बना था। पाबूवाल ने कहा, रूपरेखा तैयार होने के बाद इस ट्रॉफी को बनाने का काम आईसीसी ने मुझे सौंपा। मैंने क्रिकेट के लिए सबसे बड़ी चांदी की फ्रेंडशिप कप ट्रॉफी बनाई। इस ट्रॉफी की दुनियाभर में चर्चा हुई। इसके बाद आईसीसी ने टी20 विश्व कप की ट्रॉफी बनाने की जिम्मेदारी मुझे सौंपी। उन्होंने दावा करते हुए कहा, शुरुआत में आईसीसी ने ट्रॉफी बनाने के लिए दो विकल्पों पर विचार किया। इसे मैं तैयार करूं या प्रसिद्ध क्रिस्टल कंपनी स्वारोवस्की। अंतत: आईसीसी ने मुझे इस ट्रॉफी का डिजाइन तैयार कर बनाने के लिए चुना। पाबूवाल ने बताया कि आईसीसी की योजना थी कि ट्रॉफी टाइटेनियम और कांच के संयोजन से बनें। इसमें कुछ हिस्से धातु के और कुछ हिस्से कांच के हों जिससे कि टी20 क्रिकेट की तेज और आधुनिक शैली को दर्शाया जा सके। पाबूवाल ने बताया, इसके लिए कई नमूने तैयार किए गए लेकिन धातु संरचना के साथ जोड़ते समय कांच के हिस्से बार-बार टूट जाते थे। इन दोनों सामग्रियों को एक साथ जोड़ना तकनीकी रूप से बहुत कठिन साबित हुआ। लंबे प्रयोगों के बाद मैंने आईसीसी को सलाह दी कि यह संयोजन तकनीकी रूप से ठीक नहीं है। ट्रॉफी बन नहीं पाएगी।

उन्होंने कहा, उस समय स्वारोवस्की कंपनी ने आईसीसी को आश्वासन दिया कि वे इस डिजाइन को सफलतापूर्वक बना सकते हैं। मैंने स्पष्ट कहा कि यह बेहद कठिन होगा क्योंकि सभी संभावित प्रयोग पहले ही किए जा चुके हैं। इसके बाद स्वारोवस्की कंपनी ने ट्रॉफी बनाने का प्रयास किया लेकिन वे इसे सफलतापूर्वक पूरा नहीं कर पाए।

पाबूवाल ने बताया कि इसके बाद आईसीसी ने फिर से उनसे संपर्क किया। आईसीसी का कहना था कि इस ट्रॉफी का डिजाइन अन्य ट्रॉफी से अलग हो और दिखने में आधुनिक हो। इसके बाद ट्रॉफी के डिजाइन में सुधार के बाद चांदी से ट्रॉफी बनाई गई जिस पर प्लेटिनम की परत चढ़ाई गई। इस तरह से ट्रॉफी टिकाऊ, आकर्षक और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट टूर्नामेंट के योग्य विश्वस्तरीय रूप में तैयार हुई।

पाबूवाल ने बताया कि आईसीसी टी20 विश्व कप में जब कोई टीम खिताब जीतती है तो उसे असली ट्रॉफी नहीं दी जाती है बल्कि हूबहू नकल दी जाती है। असली ट्रॉफी आईसीसी के मुख्यालय में ही रखी जाती है। उन्होंने बताया कि टी20 विश्व कप ट्रॉफी की ऊंचाई 21 इंच है। यह चांदी और प्लेटिनम की प्लेट से बनी है। इसका वजन करीब छह किलोग्राम है। अमित 1987 रिलायंस विश्व कप, इंडिपेंडेंस कप, हीरो कप और विश्व कप 1996 सहित कई ट्रॉफी बना चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने दुनिया की सबसे बड़ी चांदी की ट्रॉफी बनाई जिसे पहली बार 'गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड ट्रॉफी' के रूप में मान्यता मिली। उन्होंने दुनिया की सबसे बड़ी स्वर्ण ट्रॉफी आईगेट सीईओ कप के लिए बनाई।

दुनिया को चलाने वाली एक शक्तिशाली 'शक्ति' हैं महिलाएं : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने महिलाओं को दुनिया को चलाने वाली एक शक्तिशाली शक्ति बताया और लैंगिक समानता के प्रति अपनी सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई और लैंगिक समानता के प्रति अपनी सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि उनकी सरकार उनके उत्थान के लिए समर्पित है।

ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के महासचिव एडप्पादी के. पलानीस्वामी ने कहा कि गृहिणियों पर आर्थिक बोझ कम करने और परिवार का कल्याण सुनिश्चित करने के लिए उनकी सरकार उन्हें मासिक सहायता के रूप में 2,000 रुपये देने की योजना बना रही है। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) की वरिष्ठ नेता और सांसद कनिमोझी करुणानिधि ने कहा कि कामकाजी महिलाओं को अधिकार मिलने चाहिए।

इस बीच तमिलनाडु के राजनीतिक नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भी महिला दिवस पर महिलाओं को शुभकामनाएं दी।

वरिष्ठ पत्रकार रामासामी का निधन

चेन्नई। वरिष्ठ पत्रकार तथा प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया (पीटीआई) के पूर्व क्षेत्रीय प्रबंधक एस रामासामी का चेन्नई में रविवार को निधन हो गया। उनके परिवार के सूत्रों ने यह जानकारी दी। रामासामी (74) के परिवार में उनकी पत्नी और बेटी हैं। उम्र संबंधी जटिलताओं के कारण उनका निधन हुआ। पत्रकारिता जगत और 'पीटीआई' कर्मियों के बीच 'एसआर' के नाम से पहचाने जाने वाले रामासामी ने 1978 में प्रमुख समाचार एजेंसी में काम करना शुरू किया और तीन दशकों तक अपनी सेवा दी। उन्होंने मुख्य रूप से तमिलनाडु की शीर्ष राजनीतिक पार्टियों द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक), ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) और अन्य को कवर किया।

राज्य के अधिकतर पूर्व नेताओं के साथ उनके अच्छे व्यक्तिगत संबंध थे। कई सेवारत और सेवानिवृत्त पत्रकारों ने रामासामी को एक मिलनसार व्यक्ति के रूप में याद किया। वह विशेष रूप से तनावपूर्ण परिस्थितियों में भी शांत और संयमित कार्यशैली के लिए जाने जाते थे। परिवार के सूत्रों ने बताया कि उनका अंतिम संस्कार रविवार को होगा। इस बीच, मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने रामासामी के निधन पर शोक प्रकट करते हुए कहा कि उनका राज्य के पूर्व मुख्यमंत्रियों, खासकर दिवंगत एम. करुणानिधि से करीबी संबंध रहा था।

उन्होंने बयान में कहा कि रामासामी समाचार एजेंसी की एक पहचान बन गए थे। शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, उनका (रामासामी) निधन पत्रकारिता के क्षेत्र के लिए बड़ी क्षति है। पट्टाली मक्कल काची नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. अंबुमणि रामदास ने भी रामासामी के निधन पर दुख और हैरानी जताई। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि रामासामी को तमिलनाडु की राजनीति की गहरी समझ थी। अंबुमणि ने कहा, तमिलनाडु में कई राजनीतिक और गठबंधन बदलावों में उनकी अहम भूमिका रही थी। उन्होंने याद किया कि रामासामी के दिवंगत मुख्यमंत्रियों एम. जी. रामचंद्रन और जे. जयललिता, द्रमुक नेता करुणानिधि, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जी. के. मूपनार तथा पट्टाली मक्कल काची संस्थापक डॉ. एस. रामदास से भी अच्छे संबंध थे। कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष के. सेल्वपेरुन्थगई ने भी रामासामी के निधन पर शोक व्यक्त किया।

मुकुल वासनिक ने द्रमुक-कांग्रेस साझेदारी को 'मजबूत गठबंधन' बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मुकुल वासनिक ने अपनी पार्टी और सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के बीच की साझेदारी को मजबूत गठबंधन' बताते हुए रविवार को आगामी विधानसभा चुनाव में शानदार जीत का भरोसा जताया।

वासनिक ने पड़ोसी राज्य पुडुचेरी और तमिलनाडु में चुनावी तैयारियों की दो दिवसीय समीक्षा के बाद जोर दिया कि कांग्रेस चुनिंदा सीट पर चुनाव लड़ेगी लेकिन पार्टी का मुख्य ध्यान गठबंधन की सफलता पर है।

राज्यसभा सदस्य वासनिक ने तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी के मुख्यालय सत्यमूर्ति भवन में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा, आखिरकार द्रमुक और कांग्रेस का गठबंधन हो गया है। यह एक मजबूत गठबंधन साबित होगा और हमें तमिलनाडु में जनता का समर्थन मिलने का पूरा भरोसा है। मतगणना के बाद आप देखेंगे, राज्य में हमारी सरकार बनेगी।

कई दिनों की बातचीत के बाद सत्तारूढ़ द्रमुक ने चार मार्च को कांग्रेस को 28 विधानसभा सीट और राज्यसभा की एक सीट आवंटित की। तमिलनाडु और पुडुचेरी के कांग्रेस प्रभारी गिरीश चोडंकर ने स्थानीय पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक के दौरान कहा कि वासनिक ने अपने व्यापक अनुभव के आधार पर उन्हें कुछ दिशा-निर्देश दिए क्योंकि वह तमिलनाडु और पुडुचेरी में कांग्रेस के प्रभारी भी रह चुके हैं।

उन्होंने कहा, मुझे विश्वास है कि उनके (वासनिक) द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों के साथ, हम तमिलनाडु और पुडुचेरी में सरकार बनाएंगे।

गिरीश ने तमिलनाडु और पुडुचेरी में कांग्रेस की क्षेत्रीय इकाइयों के साथ हुई बैठक का जिक्र करते हुए कहा, दोनों राज्यों में नेतृत्व में जबरदस्त उत्साह है। हमने देखा है कि संगठन चुनाव के लिए पूरी तरह से तैयार है।

एक रुपये के जूते के 'ऑफर' पर कोझिकोड की दुकान पर उमड़ी भीड़, पुलिस ने किया लाठीचार्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोझिकोड/भाषा। केरल के कोझिकोड में महंगे जूते मात्र एक रुपये में बेचने के एक दुकान के प्रचार अभियान के दौरान रविवार सुबह भारी भीड़ जुट गयी और पुलिस को इसे नियंत्रित करने के लिए लाठीचार्ज करना पड़ा।

वायरल विज्ञापनों से आकर्षित होकर सैकड़ों ग्राहक तड़के ही इलाके में उमड़ पड़े, जिससे भगदड़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई और यातायात बाधित हो गया। पुलिस के अनुसार, दुकानदार ने पहले 100 ग्राहकों को मात्र एक रुपये में जूते देने का विज्ञापन दिया था, जिसके बाद देर रात दो बजे से ही भीड़ जमा होने लगी थी। पुलिस ने बताया कि भीड़ इतनी अधिक थी कि दुकान की क्षमता से अधिक ग्राहक आ गए जिनमें बच्चे भी शामिल थे और वायनाड जैसे जिलों से भी लोग आए थे।

वायनाड से आए एक लड़के ने बताया कि वह देर रात ढाई बजे दुकान पर पहुंचा लेकिन वहां पहले से ही भारी भीड़ थी। लोगों की भारी भीड़ के कारण इलाके में अफरा-तफरी मच गई और यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। जब स्थिति बेकाबू हो गई, तो पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा और भगदड़ रोकने के लिए हल्का लाठीचार्ज भी किया गया। इस अफरा-तफरी के बाद, इलाके में तनाव फैलाने के आरोप में दुकान मालिक को हिरासत में ले लिया गया।

मलयालम लेखिका ने अमेरिकी कंपनियों के उत्पादों का बहिष्कार करने की अपील की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। प्रख्यात मलयालम लेखिका सारा जोसेफ ने रविवार को कुछ अमेरिकी कॉर्पोरेट उत्पादों के बहिष्कार करने की अपील करते हुए आरोप लगाया कि ये अप्रत्यक्ष रूप से अन्य देशों के खिलाफ अमेरिका के युद्ध प्रयासों का समर्थन करते हैं।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर लेखिका ने महिलाओं से प्रमुख अमेरिकी कंपनियों द्वारा निर्मित उत्पादों का बहिष्कार कर अमेरिका और इजराइल की नीतियों के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराने का आग्रह किया है। हालांकि, लेखिका ने इन देशों द्वारा ईरान के खिलाफ किये गए हमलों का विशेष रूप से उल्लेख नहीं किया है। जोसेफ ने फेसबुक पर एक पोस्ट में विशेष रूप से टूथपेस्ट, शैंपू, डिटर्जेंट आदि का निर्माण करने वाले कुछ प्रसिद्ध कंपनियों का उल्लेख किया। जोसेफ ने पोस्ट में कहा, ये बड़े अमेरिकी कॉर्पोरेट संस्थान हैं जो अमेरिका को लड़ाकू विमान, हथियार और मिसाइलों के निर्माण के लिए भारी वित्तीय सहायता प्रदान करते हैं। लेखिका ने इसे मौन क्रांति बताते हुए कहा कि महिलाएं ऐसे उत्पादों का इस्तेमाल न करते हुए इस विरोध की शुरुआत अपने घर से कर सकती हैं।

कांग्रेस की 'गुलाम' है द्रमुक : पलानीस्वामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इरोड। अन्नाद्रमुक प्रमुख ई. के. पलानीस्वामी ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन पर पलटवार करते हुए रविवार को आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) अपने सहयोगी दल कांग्रेस की 'गुलाम' है। पलानीस्वामी ने इरोड के पेरुंथुरई में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस और द्रमुक लगभग 20 दिनों से सीट बंटवारे और संबंधित मामलों को लेकर जुबानी जंग में जुटे हुए हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि अंततः कांग्रेस पार्टी ने अपने सहयोगी द्रमुक को धमकाया और इस साल अप्रैल-मई में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए 28 सीटें हासिल कर लीं।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि लोग यह बात नहीं भूले हैं कि द्रमुक के संरक्षक नेता एम. करुणानिधि के जीवित रहते हुए भी कांग्रेस पार्टी ने द्रमुक को डराया-धमकाया और उसे 'गुलाम' बनाकर उसके साथ गठबंधन किया था। उन्होंने दावा किया कि सीट बंटवारे की बातचीत के दौरान 'छापेमारी' करके यह सब हासिल किया गया। पलानीस्वामी ने कहा कि उनकी पार्टी अन्नाद्रमुक एक स्वतंत्र पार्टी है जिसने 2024 के लोकसभा चुनाव अकेले लड़ने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि द्रमुक को सत्ता से बेदखल करने के लिए उनकी पार्टी ने एक गठबंधन बनाया है और यह द्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधन के विपरीत मजबूत, पारदर्शी और सौहार्दपूर्ण है।

केंद्र सरकार ने महिला दिवस पर सिलेंडर की कीमत बढ़ाकर तोहफ़ा दिया : लक्ष्मी

बेंगलूरू। महिला दिवस पर देश की महिलाओं को रसोई गैस की कीमत बढ़ाकर तोहफ़ा देने के लिए केंद्र की भाजपा सरकार की आलोचना करते हुए महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर ने कहा है कि केंद्र का यह कदम बहुत दुखद और निंदनीय है। इस बारे में मीडिया में बयान जारी करते हुए उन्होंने कहा, घरेलू सिलेंडर की कीमत अचानक 60 रुपये बढ़ा दी गई है, जबकि कमर्शियल सिलेंडर की कीमत 115 बढ़ा दी गई है। उन्होंने कहा कि पिछले 11 महीनों में घरेलू सिलेंडर की कीमतों में कुल 110 की बढ़ोतरी ने मिडिल क्लास और गरीब परिवारों पर भारी बोझ डाला है।उन्होंने कहा कि रसोई गैस हर घर में एक ज़रूरी चीज़ है। इस ज़रूरी चीज़ की कीमत बढ़ाना, जो सीधे घर चलाने वाली महिलाओं की ज़िंदगी से जुड़ी है, एक ऐसा कदम है जिससे महिलाओं पर और पैसे का दबाव पड़ेगा। हेब्बालकर ने गुस्सा जताते हुए कहा कि दुख की बात है कि महिला सशक्तिकरण की बात करने वाली केंद्र सरकार ने महिला दिवस पर ऐसा फैसला लिया है। राज्य सरकार पर हमेशा आरोप लगाने और विरोध करने वाले भाजपा नेता अब इस पर क्या कहेंगे? क्या वे केंद्र सरकार द्वारा कीमत बढ़ोतरी को सही ठहराएंगे? या वे गरीबों व महिलाओं के पक्ष में आवाज उठाएंगे?

गारंटी योजनाएं गरीबों का सशक्त करने का मॉडल, कांग्रेस 2028 में सत्ता में लौटेगी : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने यहां विश्वास जताया कि कांग्रेस 2028 में प्रदेश में सत्ता बरकरार रखेगी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2023 में शुरू की गई पांच गारंटी योजनाएं वंचित तबके के लोगों, महिलाओं, बेरोजगार लोगों और आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिए ना केवल इस राज्य में बल्कि पूरे देश में एक मॉडल बन गई हैं। दक्षिण कन्नड़ जिले के बंतवाल तालुक में मुदुरु-पदरु में कंबला (भैंसा दौड़) का उद्घाटन करने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सामाजिक एवं आर्थिक लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए कल्याणकारी उपाय, कांग्रेस सरकार की दृष्टि में दिखाई देते हैं। उन्होंने कहा, गरीबों, समाज के कमजोर तबकों को सशक्त करने के एकमात्र उद्देश्य से पांच गारंटी योजनाएं शुरू की गई थीं। ये योजनाएं सामाजिक एवं आर्थिक न्याय सुनिश्चित करने के लिए एक मॉडल बन गई हैं।

सिद्दरामय्या ने कहा कि लोकतंत्र अकेले राजनीतिक प्रतिनिधित्व तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इससे सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण भी सुनिश्चित होना आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने कहा, एक लोकतंत्र का राजनीति में तब तक बहुत सीमित अर्थ होता है जब तक कि यह सामाजिक और आर्थिक रूप से जीवंत ना हो। राज्य सरकार इसी लक्ष्य पर काम कर रही है। उन्होंने कंबला का आयोजन करने वाले वरिष्ठ कांग्रेसी नेता और पूर्व मंत्री बी. रामनाथ राय की सराहना करते हुए उन्हें सबसे ईमानदार नेताओं में से एक बताया और विधायक एवं मंत्री के उनके कार्यकाल में इस विधानसभा क्षेत्र में करीब 5,000 करोड़ रुपये के विकास कार्य लाने में उनकी भूमिका याद दिलाई। उन्होंने कहा कि अपने योगदान के बावजूद राय बंतवाल से विधानसभा चुनाव हार गए। उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि वह 2028 में इस विधानसभा से फिर चुनाव लड़ेंगे और जीत हासिल करेंगे। मुख्यमंत्री ने परंपरागत सांस्कृतिक व्यवस्थाओं का संरक्षण करने और कंबला दौड़ का आयोजन करने के लिए इस तटीय क्षेत्र के लोगों की सराहना की।

जूनियर एनटीआर ने रविवार को बेंगलूरु के महादेवपुरा स्थित किम्स अस्पताल में 'पीईएस सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक' का उद्घाटन किया।

किम्स अस्पताल के दो अत्याधुनिक अस्पतालों का हुआ शुभारंभ

भारतीय फिल्म स्टार जूनियर एनटीआर ने किया उद्घाटन, देखने के लिए उमड़े प्रशंसक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारत के सबसे बड़े और भरोसेमंद स्वास्थ्य सेवा समूहों में से एक, सिकंदराबाद स्थित कृष्णा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज का एक प्रभाग, केआईएमएस हॉस्पिटल्स बेंगलूरु ने रविवार को महादेवपुरा और इलेक्ट्रॉनिक सिटी में स्थित अपने दो सुपर-स्पेशियलिटी अस्पतालों का शुभारंभ किया। अस्पताल का उद्घाटन प्रसिद्ध भारतीय फिल्म स्टार जूनियर एनटीआर ने किया। यह बेंगलूरु और आसपास के लोगों को विश्व स्तरीय, रोगी-केंद्रित और तकनीक-आधारित स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने की दिशा में एक रणनीतिक विस्तार है।

दोनों इकाइयां शहर के सबसे तेजी से विकसित हो रहे इलाकों में प्रमुखता से स्थित हैं ताकि सभी को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा आसानी से उपलब्ध हो सके। महादेवपुरा इकाई में 450 से अधिक बिस्तर हैं, जबकि इलेक्ट्रॉनिक सिटी सुविधा में 350 बिस्तर हैं। दोनों सुविधाओं में 30 अत्याधुनिक ऑपरेशन थिएटर और 170 से अधिक ओपीडी (आउट पेशेंट कंसल्टेशन रूम) हैं ताकि सर्वोत्तम चिकित्सा सेवा प्रदान की जा सके।

इस अवसर पर बोलते हुए, केआईएमएस ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक डॉ. बी. भास्कर राव ने कहा, बेंगलूरु स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में हमारा आगमन उन नैदानिक उत्कृष्टता और रोगी-केंद्रित मूल्यों को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जिन्होंने दो दशकों से अधिक समय से केआईएमएस हॉस्पिटल्स को परिभाषित किया है। एक समूह के रूप में, हम तृतीयक और चतुर्थक देखभाल के मानकों को पुनर्परिभाषित करने के लिए उन्नत प्रौद्योगिकी, सर्वश्रेष्ठ चिकित्सकों और रोगी-केंद्रित सुविधाओं में निवेश करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

ये सुविधाएं कार्डियोलॉजी, न्यूरोलॉजी, ऑन्कोलॉजी, पीडियाट्रिक्स, ऑर्थोपेडिक्स, ईएनटी, प्रसूति एवं स्त्रीरोग, जनरल सर्जरी, इंटरनल मेडिसिन, क्रिटिकल केयर और क्रॉनिक डिजीज मैनेजमेंट सहित 25 से अधिक सुपर स्पेशियलिटी केंद्रों और उत्कृष्टता केंद्रों के साथ एकीकृत हैं। अस्पताल 24/7 आधार पर प्राथमिक देखभाल से लेकर उन्नत निदान और उपचार विकल्पों तक व्यापक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करेंगे, जिससे रोकथाम और प्रारंभिक पहचान से लेकर सर्जरी और अंततः प्रबंधन तक एक निर्बाध देखभाल प्रक्रिया सुनिश्चित होगी।

कर्नाटक के बेंगलूरु में किम्स हॉस्पिटल्स की शुरुआत करना, आंध्र प्रदेश, केरल, महाराष्ट्र और तेलंगाना जैसे प्रमुख बाजारों में अपनी उपस्थिति बढ़ाने की दिशा में हमारा एक रणनीतिक कदम है। हमारी विकास रणनीति उच्च विकास वाले बाजारों में एक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली विकसित करने पर केंद्रित है ताकि इन समुदायों को उन्नत चिकित्सा सेवाएं आसानी से उपलब्ध हो सकें। हॉस्पिटल्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. बी. अभिनय ने कहा, इन दो अस्पतालों की शुरुआत इसी दिशा में एक कदम है।

उद्घाटन समारोह में बोलते हुए भारतीय फिल्म स्टार एनटीआर ने कहा, आज यहां होना मेरे लिए सचमुच एक भावुक क्षण है। मेरे दादाजी, एन.टी. रामाराव ने 43 वर्ष पूर्व बेंगलूरु में पीईएस विश्वविद्यालय (नया ब्लॉक) की नींव रखी थी, और इस नए अस्पताल के उद्घाटन के साथ उस विरासत को आगे बढ़ते देखना मेरे लिए इस अवसर को बेहद खास बनाता है। बेंगलूरु शहर और कर्नाटक के लोगों के साथ मेरा गहरा जुड़ाव है, जिन्होंने हमेशा मेरा गर्मजोशी से स्वागत किया है। एक दशक से अधिक समय से केआईएमएस अस्पताल परिवार से जुड़े रहने के दौरान, मैंने चिकित्सा उत्कृष्टता के साथ मानवीय स्पर्श प्रदान करने की उनकी दृढ़ प्रतिबद्धता को देखा है। इस अत्याधुनिक अस्पताल का उद्घाटन करना मेरे लिए सम्मान और सौभाग्य की बात है।

बेंगलूरु स्थित केआईएमएस हॉस्पिटल्स के प्रबंध निदेशक डॉ. नीतीश शेट्टी ने कहा, हम समय पर और व्यक्तिगत स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। महादेवपुरा और इलेक्ट्रॉनिक सिटी स्थित ये केंद्र बेंगलूरु के लोगों की बढ़ती स्वास्थ्य आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बनाए गए हैं।

उद्घाटन

एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार और मंत्री शरणप्रकाश पाटिल के साथ रविवार को कलबुर्गी जिले के चित्तापुर में विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया।

कर्नाटक के आवासीय स्कूल में छात्र ने सहपाठियों पर हमला किया, एक की मौत

बल्लारी। बल्लारी के निजी आवासीय विद्यालय में नौवीं कक्षा के एक छात्र ने कथित तौर पर हमला करके एक व्यक्ति की हत्या कर दी और अन्य को एक नुकीली वस्तु व लोहे की छड़ से घायल कर दिया। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह घटना शनिवार रात स्कूल के छात्रावास में घटी। मृतक लड़का आंध्र प्रदेश का निवासी था। शव को पोस्टमार्टम के लिए 'विजयनगर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज' (वीआईएमएस), बल्लारी ले जाया गया।

अधिकारियों के अनुसार, घटना के पीछे के मकसद और उसमें इस्तेमाल किए गए हथियार का पता लगाने के लिए जांच जारी है। आरोपी छात्र घटनास्थल से तुरंत फरार हो गया और उसे पकड़ने के लिए तलाशी अभियान जारी है। बल्लारी रेंज के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) पी एस हर्षा ने बताया, शनिवार रात नौ छात्र एक सामाजिक विज्ञान शिक्षक (जो छात्रावास वार्डन भी थे) की निगरानी में थे। छात्र (आरोपी) ने क्रोधित होकर सभी पर अंधाधुंध हमला कर दिया... दुर्भाग्यवश, एक छात्र की मृत्यु हो गई और सात अन्य का इलाज चल रहा है।

सुविचार

रिश्ते धागे की तरह होते हैं, जो जोर से खींचने पर टूट जाते हैं और ढीले छोड़ने पर उलझ जाते हैं। संतुलन ही रिश्तों की जान है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

यह चुनौती स्वीकार करें

जब से इजराइल-अमेरिका का ईरान से युद्ध शुरू हुआ है, भारत में कुछ लोग अति-उत्साहित होकर टिप्पणियां कर रहे हैं। वे खामेनेई की मौत पर भावुक हैं और शोक प्रकट कर रहे हैं। उन्हें इसका पूरा अधिकार है, बशर्ते भारत की शांति में कोई खलल न पड़े। विपक्षी दल जनभावनाओं को उकसाते हुए पूछ रहे हैं- 'भारत क्यों खामोश है ... भारत कोई कदम क्यों नहीं उठा रहा है?' ध्यान रखें, यह युद्ध है, कोई वीडियो गेम नहीं है। भारत खामोश नहीं है। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने ईरानी दूतावास का दौरा कर खामेनेई की मौत पर शोक व्यक्त किया है। जहां तक 'कोई कदम' उठाने का सवाल है तो उसे स्पष्ट करने की जरूरत है। क्या विपक्षी दल और जनता का एक वर्ग यह चाहते हैं कि भारत को इस युद्ध में कूद जाना चाहिए? क्यों कूदे भारत? जो देश लड़ रहे हैं, उनकी दशकों पुरानी दुश्मनी है। वे एक-दूसरे पर अशांति और आतंकवाद फैलाने के गंभीर आरोप लगाते हैं। दोनों तरफ ही आरोपों की सूची बहुत लंबी है। हालांकि इन देशों के साथ भारत के संबंध अच्छे हैं, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि किसी एक का हिमायती बनकर अखाड़े में कूद पड़ें। क्या ऑपरेशन सिंदूर के दौरान ईरान ने हमारे साथ मिलकर पाकिस्तान पर धावा बोला था? क्या अमेरिका ने भारत का सहयोग किया था? क्या इजराइल ने कोई सैन्य टुकड़ी भेजी थी? इन सबका जवाब है- नहीं। भारत अपनी सीमाओं और नागरिकों की सुरक्षा करने में पूरी तरह सक्षम है। उक्त तीनों देश भी ऐसा ही दावा बार-बार दोहरा चुके हैं। जब कोई देश मदद मांग नहीं रहा है तो हमें 'मान न मान, मैं तेरा मेहमान' बनने की क्या जरूरत है? युद्धकाल में किसी एक पक्ष की मदद करने का मतलब होता है- दूसरे पक्ष से दुश्मनी मोल लेना। क्या ऐसा करना भारत के हित में होगा? क्या विपक्षी दल यह चाहते हैं कि भारत इस युद्ध में शामिल हो, जिसके बाद उन्हें सरकार को कोसने का मौका मिले?

यहां भारत से आशय है- 140 करोड़ से ज्यादा जनसंख्या। इतने लोगों की सुरक्षा करना, उनकी जरूरतों का ध्यान रखना कोई मामूली बात नहीं है। भारत सरकार पर बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। विदेश नीति कोई स्कूल की यारी-दोस्ती नहीं होती, जिसमें कुछ लड़के एक-दूसरे के लिए जान की बाजी लगा देने की कसमें खाते हैं। जिम्मेदार सरकारों को कई चीजें देखकर चलना और बोलना होता है। वर्तमान परिस्थितियों में यह सुनिश्चित करना ही भारत सरकार की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है कि ईरान और उसके आस-पास स्थित देशों में भारतीय नागरिक सुरक्षित हों और अपने देश में ईंधन की कोई कमी न हो। गैस सिलेंडर की कीमतों में भी बढ़ोतरी की गई है। आश्चर्यजनक रूप से, जो विपक्षी दल पहले यह मांग कर रहे थे कि भारत को इजराइल-अमेरिका के खिलाफ कदम उठाना चाहिए, अब वे हंगामा खड़ा कर रहे हैं कि सरकार ने महंगाई बढ़ा दी। सोचिए, जब भारत इस युद्ध से दूर है, तब इसका आर्थिक भार महसूस हो रहा है, अगर देश खुलकर किसी का पक्ष लेता तो यह भार कितना होता? महंगाई बहुत बढ़ जाती। फिर मुफ्त राशन, मुफ्त चिकित्सा, शिक्षा, आर्थिक सहायता जैसी योजनाएं भूल जाएं! आज जो लोग कोरी भावुकतापूर्ण बातें कर केंद्र सरकार को आड़े हाथों ले रहे हैं, उस स्थिति में वे ही यह कहते हुए कड़ी आलोचना करते कि 'महंगाई ने कमर तोड़ दी, सरकार को पराई पंचायती में हीरो बनने की क्या जरूरत थी?' इस युद्ध से उपजे हालात से सबक लेते हुए भारत सरकार को एक काम जरूर करना चाहिए। हमारे देश के पास पेट्रोल-डीजल और रसोई गैस का कोई उचित विकल्प होना चाहिए। अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए विदेशों पर निर्भरता में भारी जोखिम है। भारत को इस क्षेत्र में पूर्णत: आत्मनिर्भर बनना होगा। इस चुनौती को स्वीकार करना ही होगा। भारत के पास प्रतिभाशाली वैज्ञानिक हैं। अगर वे ठान लें तो ऐसा करके दिखा सकते हैं। इस समय केंद्र सरकार को अडिग रहना चाहिए। विपक्षी दलों और जनता को भी सरकार का साथ देना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

जैसलमेर प्रवास के दौरान आईएएस अधिकारी श्री देशलदान रतनू के पिता श्री कुशलदान रतनू की शोक सभा में शामिल होकर श्रद्धांजलि अर्पित की। वहीं भोजराजपुरम रामगढ़ में पूज्य ठा. सोढसिंह पुत्र स्व. पूंजराज सिंह सोलंकी के परिजनों का ढाढ़स बँधाया।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

एयरपोर्ट निर्माण के साथ क्षेत्र में नए उद्योगों की स्थापना को भी गति मिल रही है। कोटा-बून्दी एग्रो बेस्ड इंडस्ट्री का केन्द्र बनने की ओर अग्रसर है। ट्रिपल आईटी के विस्तार के साथ कोटा एक महत्वपूर्ण आईटी हब के रूप में भी उभरेगा।

-ओम बिरला

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सभी मातृशक्ति एवं नारी शक्ति को हार्दिक शुभकामनाएं! नारी केवल परिवार की आधारशिला ही नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र की प्रगति की प्रेरणाशक्ति भी है। महिलाओं ने हर क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छूकर देश को गौरवान्वित किया है।

-वसुंधरा राजे

प्रेरक प्रसंग

सत्य की ताकत

यात्रियों का एक काफिला रेगिस्तान से गुजर रहा था। अचानक लुटेरों के गिरोह ने घेर लिया। प्रत्येक यात्री की तलाशी लेकर रुपये तथा अन्य सामान छीन लिया गया। एक बारह वर्षीय लड़के के पास से कुछ नहीं मिला। लुटेरों के सरदार ने पूछा, 'तेरे पास से कुछ नहीं मिला, क्या तू अनाथ तो नहीं है?' किशोर ने जवाब दिया, 'मैं अपनी बीमार बहन की खिदमत करने जा रहा हूं। मेरी मां ने सोने की पांच अशर्फियां मेरे लंगोट में छिपा दी थीं, जो मेरे पास हैं।' लुटेरों के सरदार ने उससे पूछा, 'जब मां ने अशर्फियां छिपाकर रख दी थीं तो तूने हमें क्यों बताया कि अशर्फियां छिपा रखी हैं।' किशोर ने बताया, 'मां ने यह भी प्रेरणा दी थी कि जीवन में कभी झूठ नहीं बोलना चाहिए। आपने पूछा तो मैं झूठ कैसे बोलता?' बालक की सत्यनिष्ठा ने डाकू सरदार का हृदय बदल दिया। उसने तमाम यात्रियों से लूटा हुआ सामान वापस कर दिया। सरदार ने कहा, 'बेटा मैं भी आज से सत्य का पालन करने का संकल्प लेता हूं। अब लूटपाट नहीं करूंगा।' यह सत्यनिष्ठ बालक आगे चलकर 'खलीफा अमीन' के नाम से विख्यात हुआ।

सामयिक

भारतीय राजनीति के इस दौर में, जहां परिवारवाद एक बड़ी समस्या है, नीतीश कुमार का इस मामले में अडिग रहना उन्हें सम्मान दिलाता है। लेकिन यही संयम उन्हें कभी-कभी 'अहंकारी' या 'संपर्कविहीन' नेता के रूप में भी चित्रित कर देता है। उनके बारे में प्रसिद्ध है कि वे एक बार जो तय कर लेते हैं, फिर किसी की नहीं सुनते। यह दृढ़ता ही थी जिसने बिहार में कानून का राज स्थापित किया, लेकिन यही जिद आज उनकी पार्टी के भीतर असंतोष का कारण भी बनती है। अंत में, नीतीश कुमार होना एक निरंतर द्वंद्व में जीने जैसा है।

नीतीश कुमार को समझ पाना आसान नहीं

महेन्द्र तिवारी

मोबाइल : 9989703240

भारतीय राजनीति के फलक पर नीतीश कुमार एक ऐसी पहेली हैं, जिसे सुलझाने का दावा हर कोई करता है, लेकिन पूरी तरह कोई समझ नहीं पाता। एक ऐसा नेता, जिसके पास लालू प्रसाद यादव जैसा नैसर्गिक करिश्मा नहीं है, न ही उनके पास भाजपा जैसा विशाल सांगठनिक ढांचा है, फिर भी वह साल-दर-साल बिहार की सत्ता की धुरी बने हुए हैं। यह राजनीतिक उत्तरजीविता का ऐसा उदाहरण है, जो राजनीति विज्ञान के छात्रों के लिए किसी शोध से कम नहीं। नीतीश कुमार के व्यक्तित्व को समझने के लिए हमें उस दौर में पीछे जाना होगा, जब बिहार 'जंगलराज' के तमगे से जूझ रहा था। 2005 में जब उन्होंने सत्ता संभाली, तो उनके सामने एक ऐसा राज्य था जिसकी सड़कें गायब थीं, जहां शाम ढलते ही लोग घरों में दुबक जाते थे और जहां विकास की परिभाषा केवल सरकारी विज्ञापनों तक सीमित थी। उस समय नीतीश कुमार ने 'सुशासन बाबू' की जो छवि गढ़ी, वह रातों-रात नहीं बनी थी। उसके पीछे दशकों का संघर्ष और समाजवाद की वह विचारधारा थी, जिसे उन्होंने राम मनोहर लोहिया और जयप्रकाश नारायण से सीखा था। नीतीश कुमार होना इसलिए कठिन है क्योंकि उन्हें हर कदम पर एक संतुलन साधना पड़ता है एक तरफ अपनी समाजवादी साख बचाए रखने की चुनौती और दूसरी तरफ सत्ता के समीकरणों को साधने की मजबूरी।

उनकी राजनीति का सबसे दिलचस्प और विवादित पहलू उनका पाला बदलना रहा है। आलोचक उन्हें 'पलटू राम' कहते हैं, लेकिन अगर इसे गहराई से देखें, तो यह एक ऐसे नेता की छटपटाहट भी हो सकती है जो अपने एजेंडे को लागू करने के लिए किसी भी हद तक समझौता करने को तैयार है। क्या यह सत्ता का लालच है या बिहार के विकास की मजबूरी? इस पर बहस अंतहीन हो सकती है, लेकिन एक सच यह भी है कि नीतीश कुमार ने कभी भी अपनी व्यक्तिगत ईमानदारी और छवि पर दाग नहीं लगने दिया। भारतीय राजनीति में जहां भ्रष्टाचार एक सामान्य शिष्टाचार बन गया हो, वहां एक मुख्यमंत्री का बेदाग बने रहना वाकई आसान नहीं है। उनकी ताकत उनके वोट बैंक में नहीं, बल्कि उनकी कार्यशैली में रही है। उन्होंने बिहार में एक नया वर्ग तैयार किया 'मौन मतदाता'। इसमें महिलाएं और अति पिछड़े वर्ग शामिल हैं। जब नीतीश ने लड़कियों को साइकिल दी, तो वह केवल एक वाहन नहीं था, वह बिहार की आधी आबादी के लिए आजादी का परवाना था। सड़क पर साइकिल चलाती उन लड़कियों ने बिहार के सामाजिक ढांचे को बदल दिया। नीतीश कुमार को पता था कि अगर उन्हें बड़े जनाधार वाले नेताओं से लड़ना है, तो उन्हें समाज के उन हिस्सों तक पहुंचना होगा जिन्हें अब तक राजनीति में केवल 'नंबर' समझा जाता था।

नीतीश कुमार का शासन मॉडल अक्सर नौकरशाही पर बहुत अधिक निर्भर रहा है। उनके बारे में कहा जाता है कि वे राजनेताओं से ज्यादा अफसरों पर भरोसा करते हैं। यह उनकी ताकत भी रही और कमजोरी भी। ताकत इसलिए क्योंकि इसने योजनाओं को धरातल पर उतारने में मदद की, और कमजोरी इसलिए क्योंकि इसने उन्हें अपनी ही पार्टी के नेताओं से दूर कर दिया। एक अकेला नेता जो अपनी शर्तों पर सरकार चलाना चाहता है, उसके लिए गठबंधन की राजनीति किसी जलती हुई मोमबत्ती को दोनों सिरों से पकड़ने जैसा है। कभी भाजपा का हिंदुत्व, तो कभी राजद का 'माय' समीकरण इन दो पाटों के बीच अपनी 'धर्मनिरपेक्ष' और 'विकासवादी' छवि को बचाए रखना किसी बाजीगर का ही काम हो सकता है। नीतीश कुमार ने बिहार को बिजली दी, सड़कें दीं और शराबबंदी जैसा साहसी (भले ही विवादास्पद) फैसला लिया। शराबबंदी के पीछे का तर्क विशुद्ध रूप से सामाजिक था, जो उनके महिला वोट बैंक को मजबूती देता था। हालांकि, इसके क्रियान्वयन में हुई विफलताओं ने उनकी प्रशासनिक साख पर सवाल भी उठाए, लेकिन नीतीश अपनी जिद पर अड़े रहे। यह जिद ही उन्हें खास बनाती है और यही उनके लिए मुश्किलें भी खड़ी करती है।

नीतीश कुमार के राजनीतिक सफर का एक और पहलू उनकी 'तन्हाई' है। वे एक ऐसे मुख्यमंत्री हैं जिनके पास अपनी पार्टी जेडीयू के भीतर भी कोई स्पष्ट उत्तराधिकारी नहीं है। वे एक ऐसे बरगद के पेड़ की तरह हैं जिसकी छाया तो बहुत है, लेकिन उसके नीचे दूसरा कोई पौधा नहीं पनप पाया। यह स्थिति एक नेता के लिए असुरक्षा का कारण भी बन सकती है और उसकी अपरिहार्यता का प्रमाण भी। आज के दौर में जब राजनीति सोशल मीडिया के शोर और इवेंट मैनेजमेंट से चलती है, नीतीश कुमार अभी भी पुराने ढर्रे की उस गंभीर राजनीति में विश्वास रखते हैं जहां फाइलों का अध्ययन और आंकड़ों की बाजीगरी प्राथमिक होती है। वे एक 'मैकेनिकल इंजीनियर' हैं और उनकी राजनीति में भी वही इंजीनियरिंग साफ दिखती है। वे जानते हैं कि किस पुर्जे को कब और कहां फिट करना है ताकि सत्ता की मशीन चलती रहे। लेकिन इस मशीन को चलाने की कीमत उन्हें अपनी साख की अस्थिरता से चुकानी पड़ी है। जनता के बीच उनकी विश्वसनीयता का ग्राफ कभी ऊपर तो कभी नीचे जाता रहा है, फिर भी वे प्रासंगिक बने रहे।

नीतीश कुमार होना इसलिए भी मुश्किल है क्योंकि उनके ऊपर हमेशा एक 'बड़े भाई' की छाया रही है। कभी वह छाया लालू प्रसाद यादव की थी, तो कभी भाजपा के शीर्ष नेतृत्व की। इस छाया से बाहर निकलकर अपनी स्वतंत्र पहचान बनाए रखना और यह सुनिश्चित करना कि बिहार की बागडोर उन्हीं के हाथ में रहे, एक निरंतर चलने वाला युद्ध है। उन्होंने बिहार को उस हीन भावना से बाहर निकाला जो 90 के दशक के अंत में घर कर गई थी। उन्होंने 'बिहार गौरव' की बात की, प्रवासी बिहारियों को वापस आने का न्योता दिया और राज्य के बजट को कई गुना बढ़ाया। लेकिन इन सबके बावजूद, पलायन और बेरोजगारी जैसे राक्षसों को वे पूरी तरह काबू नहीं कर पाए। यह उनकी राजनीति की एक दुखद विडंबना है कि जिस राज्य को उन्होंने विकास की पटरी पर दौड़ाने की कोशिश की, वहां का युवा आज भी रोजगार के लिए दूसरे राज्यों की ओर देखने को मजबूर है। एक मुख्यमंत्री के रूप में इस विफलता का बोझ ढोना और फिर भी यह कहना कि सब ठीक है, वाकई आसान नहीं है।

अक्सर यह सवाल उठता है कि नीतीश कुमार का अंतिम लक्ष्य क्या है? क्या वे प्रधानमंत्री बनना चाहते थे? या वे केवल बिहार के इतिहास में अपना नाम स्वर्णाक्षरों में दर्ज कराना चाहते हैं? उनकी महत्वाकांक्षाएं हमेशा उनके चेहरे की झुर्रियों और उनकी नपी-तुली बातों के पीछे छिपी रहती हैं। वे एक ऐसे खिलाड़ी हैं जो अपने पत्ते तभी खोलते हैं जब सामने वाला अपनी चाल चल चुका होता है। नीतीश कुमार के व्यक्तित्व का एक और महत्वपूर्ण हिस्सा उनका व्यक्तिगत संयम है। वे चकाचौंध से दूर रहते हैं, उनका परिवार राजनीति से कोसों दूर है और वे अपनी निजी जिंदगी को बहुत गोपनीय रखते हैं। भारतीय राजनीति के इस दौर में, जहां परिवारवाद एक बड़ी समस्या है, नीतीश कुमार का इस मामले में अडिग रहना उन्हें सम्मान दिलाता है। लेकिन यही संयम उन्हें कभी-कभी 'अहंकारी' या 'संपर्कविहीन' नेता के रूप में भी चित्रित कर देता है। उनके बारे में प्रसिद्ध है कि वे एक बार जो तय कर लेते हैं, फिर किसी की नहीं सुनते। यह दृढ़ता ही थी जिसने बिहार में कानून का राज स्थापित किया, लेकिन यही जिद आज उनकी पार्टी के भीतर असंतोष का कारण भी बनती है। अंत में, नीतीश कुमार होना एक निरंतर द्वंद्व में जीने जैसा है। यह एक ऐसे व्यक्ति की कहानी है जो आधुनिक बिहार का निर्माता कहलाना चाहता है, लेकिन जिसे अपनी कुर्सी बचाने के लिए बार-बार उन सिद्धांतों से समझौता करना पड़ता है जिन्हें उसने कभी पवित्र माना था। वे एक ऐसे नायक हैं जिनके चरित्र में शेड्स ऑफ ग्रे अधिक हैं।

न तो वे पूरी तरह 'सफेद' आदर्शवादी हैं और न ही पूरी तरह 'काले' अवसरवादी। वे समय की मांग के अनुसार रंग बदलने वाले एक कुशल राजनेता हैं, जो जानते हैं कि राजनीति संभावनाओं का खेल है। बिहार के इतिहास में नीतीश कुमार का मूल्यांकन केवल उनके पाला बदलने के आधार पर नहीं होगा, बल्कि उस बदलाव के आधार पर होगा जो उन्होंने एक आम बिहारी के जीवन में लाने की कोशिश की। उनके विरोधी चाहे जो कहें, लेकिन इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि उन्होंने बिहार को एक 'पहचान' दी है। एक ऐसी पहचान, जो अराजकता से दूर और प्रगति की ओर अग्रसर है। 2026 के इस दौर में भी, जब राजनीति पूरी तरह बदल चुकी है, नीतीश कुमार का प्रासंगिक बने रहना यह साबित करता है कि वे सिर्फ एक नेता नहीं, बल्कि बिहार की राजनीति का एक अनिवार्य अध्याय हैं। और सच यही है कि उस अध्याय को लिखना या उसे जी पाना, वाकई हर किसी के बस की बात नहीं है। नीतीश कुमार होना, दरअसल, अपनी ही छाया से लड़ते हुए सत्ता के शिखर पर बने रहने की एक अंतहीन साधना है।

नजरिया

तेल संकट की आहट : महंगाई की मार से लोग भयभीत

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 9414441218

अमेरिका इजरायल और ईरान युद्ध ने महंगाई की मार से देशवासियों को डरा दिया है। आम लोगों को महंगाई का जबरिया झटका लगा है। घरेलू एलपीजी गैस सिलिंडर की कीमत में 60 रुपये की बढ़ोतरी कर दी गई है। 19 किलो वाले कॉमर्शियल सिलेंडर की कीमत में भी 115 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। इस बढ़ोतरी का न केवल गैस अपितु अन्य वस्तुओं पर भी असर पड़ेगा। हम यह भी कह सकते है कि तेल संकट की आहट चहुंओर सुनाई देने लगी है, हालाँकि सरकार ने इससे इंकार किया है मगर लोगों को इस पर भरोसा नहीं है। युद्ध के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई है। इसी का असर एलपीजी की कीमतों पर पड़ा है। गैस कंपनियों ने लागत बढ़ने का हवाला देते हुए कीमतों में संशोधन किया है। विशेषज्ञों के अनुसार, हाल में वैश्विक ऊर्जा कीमतों में तेजी मध्य पूर्व में सैन्य तनाव के बढ़ने के बाद आई है। इस संघर्ष ने ऊर्जा बाजार को प्रभावित किया है और वैश्विक तेल व गैस मार्गों में आपूर्ति स्थिरता को लेकर चिंताएं बढ़ाई हैं।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमतें ट्रेडिंग के दौरान 94.51 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को छू गईं है, इसके और बढ़ने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। ईरान और अमेरिका के बीच छिड़ी इस 'जंग' ने अब समुद्र में कोहराम मचा दिया है। कच्चे तेल की कीमतों में आया यह उछाल पिछले 30 महीनों यानी ढाई साल का सबसे उच्चतम स्तर है। इससे

पहले 18 सितंबर 2023 को तेल की कीमतें इस स्तर के आसपास देखी गई थीं। 94.51 डॉलर का उच्चतम स्तर छूने के बाद कीमतें कुछ हद तक नीचे आईं। पेट्रोलियम मंत्रालय के पेट्रोलियम प्लानिंग एंड एनालिसिस सेल (झझ-उ) की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय बास्केट के कच्चे तेल की औसत कीमत 5 मार्च 2026 को 93.41 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई है।

भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरतों का लगभग 85 प्रतिशत हिस्सा आयात करता है। कच्चे तेल की कीमतों में प्रति डॉलर की बढ़ोतरी भारत के आयात बिल को हजारों करोड़ रुपये बढ़ा देती है। कीमतों में आया यह 35 प्रतिशत का उछाल भारत के व्यापार घाटे और विदेशी मुद्रा भंडार पर सीधा प्रहार कर रहा है। उधर अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने के लिए एक माह की छूट दी है। हालांकि भारत सरकार ने बताया है कि अभी भारत के पास कच्चे तेल का स्टॉक है, इसलिए फिलहाल चिंता की कोई बात नहीं है।

ऊपर वाली स्थिति में भी सरकार के पास दो रास्ते होंगे. या तो वह एक्साइज ड्यूटी घटाकर जनता को राहत दे, या फिर कीमतों को बाजार के हवाले छोड़ दे। हालांकि, युद्ध की अनिश्चितता को देखते हुए सरकार अभी 'वेट एंड वॉच' की स्थिति में है। यह स्थिति कब तक रहेगी कोई बताने वाला नहीं है। बताया जाता है होर्मुज स्ट्रेट, जहां से दुनिया का बड़ा हिस्सा क्रूड ऑयल गुजरता है, वहां करीब 700 से ज्यादा तेल टैंकर फंसे हुए हैं। हालात ऐसे हैं कि तेल की सप्लाई लगभग रुक गई है।

एक वैश्विक रिपोर्ट के मुताबिक युद्ध जारी रहा तो कच्चे तेल के आयात के बगैर अमेरिका 200 दिन ही टिक सकता है, वहीं, साउथ कोरिया के पास 214 दिन तक रिजर्व है। इसी भांति जर्मनी के पास 130, फ्रांस के पास 122, यूके के पास 120, न्यूजीलैंड के पास 95, तुर्किए के पास 94, भारत के पास 74 और ऑस्ट्रेलिया के पास 47 दिन तक का कच्चा तेल है।

इसका साफ़ मतलब है, ईरान में अगर लगभग दो-ढाई महीने तक जंग चलती है और कच्चा तेल नहीं मिलता है तो भी भारत पर बहुत ज्यादा फर्क नहीं पड़ेगा। दूसरी तरफ पाकिस्तान जैसे देश में तेल के लिए हाहाकारी मची है। वहां तेल की राशनिंग की ख़बरें भी मिल रही है। यह दावा भी किया जा रहा है, ईरान और इजराइल के बीच बढ़ते युद्ध और मिडिल ईस्ट में तनाव का असर केवल तेल और गैस बाजार तक सीमित नहीं रह सकता। अगर यह संघर्ष लंबा खिंचता है तो फर्टिलाइजर सप्लाई चेन पर गंभीर असर पड़ सकता है। होर्मुज स्ट्रेट से दुनिया के बड़े हिस्से का फर्टिलाइजर गुजरता है, ऐसे में किसी भी रुकावट से यूरिया, अमोनिया और अन्य फर्टिलाइजर की कीमतें तेजी से बढ़ सकती हैं। इसका असर वैश्विक खाद्य उत्पादन और कीमतों पर पड़ने की आशंका है। आने वाले समय में गेहूं, चावल और अन्य खाद्य पदार्थ महंगे हो सकते हैं।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

विरोध रैली

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रविवार को कोलकाता में पश्चिम बंगाल की महिला एवं बाल विकास मंत्री शशि पांजा ने टीएमसी की महिला नेताओं और मंत्रियों के साथ केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध रैली निकाली।

'अच्छी देखभाल' के साथ मरने की भी कीमत होती है, पर हर व्यक्ति इसे वहन नहीं कर सकता

सिडनी/दक्षिण भारत । हर व्यक्ति चाहता है कि उसके जीवन के अंतिम दिन शांति, सुकून और अच्छी देखभाल के साथ गुजरें। लेकिन जीवन के अंतिम चरण में पहुंच चुके लोगों पर किये गये शोध से पता चलता है कि बहुत से लोगों के साथ वास्तव में ऐसा नहीं हो पाता। इसके विपरीत, असल में स्थिति यह है कि किसी व्यक्ति को जीवन के अंतिम समय में सम्मानजनक और शांतिपूर्ण देखभाल मिल पाएगी या नहीं, यह काफी हद तक उसकी आर्थिक स्थिति पर निर्भर होता जा रहा है।

हमारे हाल के एक अध्ययन में, हमने एक देखभाल केंद्र में जीवन के अंतिम चरण में पहुंच चुके 18 लोगों के साक्षात्कार लिए। इसके अलावा छह परिवार के सदस्यों और देखभाल करने वालों के तथा 20 देखभाल करने वाले पेशेवरों का साक्षात्कार लिया। हमने उनसे पूछा कि जीवन के अंतिम पड़ाव पर किसी की देखभाल करना कैसा होता है। 'पैलिएटिव केयर' उन लोगों के लिए है, चाहे उनकी उम्र कुछ भी हो, जिन्हें कोई ऐसी बीमारी है जिसका कोई इलाज संभव नहीं है। इसका मतलब है कि उनके ठीक होने की संभावना बहुत कम या न के बराबर है। इसलिए, इसका उद्देश्य जीवन के अंतिम समय में उन्हें आराम और बेहतर जीवन प्रदान करना है। ऑस्ट्रेलिया में, 'पैलिएटिव केयर' मुख्य रूप से निःशुल्क प्रदान की जाती है, जिसका ज्यादातर खर्च राज्य और संघीय सरकारों के साथ-साथ निजी स्वास्थ्य बीमा द्वारा वहन किया जाता है।

लेकिन हमारे शोध से पता चलता है कि सार्वजनिक और निजी वित्तपोषण की अव्यवस्थित व्यवस्था के कारण कई लोग इस आवश्यक देखभाल के लिए भुगतान कैसे करें, इस बारे में भ्रमित और परेशान हैं। यह देखभाल घर पर या अस्पताल में, धर्मशाला में या आवासीय वृद्धाश्रम में प्रदान की जा सकती है। देखभाल का खर्च कौन वहन करेगा, यह इस बात पर निर्भर करता है कि यह कहां प्रदान की जा रही है (उदाहरण के लिए, निजी या सार्वजनिक अस्पताल में) और क्या रोगी के पास निजी स्वास्थ्य बीमा है। पिछले शोधों में यह पता लगाया गया है कि ऑस्ट्रेलिया में देखभाल के लिए धन कैसे जुटाया जाता है। लेकिन अब तक हमें मरीजों, देखभाल करने वालों और कर्मचारियों से सीधे तौर पर यह जानकारी नहीं मिली है कि यह उन्हें कैसे प्रभावित करता है।

सुदर्शन पटनायक ने वेनिस प्रदर्शनी में रेत और रंगों से बनी अपनी चित्रकला का प्रदर्शन किया

लंदन। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त रेत कलाकार और पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित सुदर्शन पटनायक 'कंटेंपररी वेनिस 2026' में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, जहां वे अपनी मिश्रित-माध्यम वाली 'जुगलबंदी' पेंटिंग का प्रदर्शन कर रहे हैं, जिसमें कैनवास पर प्राकृतिक रेत को रंग के साथ मिलाया गया है। रविवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ओडिशा के रहने वाले पटनायक, इटली के वेनिस में स्थित ऐतिहासिक पलाज़ो अल्ब्रिज़ी-कैपेलो में आयोजित अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी में भाग लेने वाले एकमात्र भारतीय कलाकार हैं।

इस प्रदर्शनी में कलाकार अपनी 'जुगलबंदी' श्रृंखला प्रस्तुत कर रहे हैं, जो कलाकृतियों का एक ऐसा संग्रह है जिसमें कैनवास पर प्राकृतिक रेत को रंग के साथ मिलाया गया है, और यह पहली बार है जब वह इस पैमाने की एक अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी में इन चित्रों का प्रदर्शन कर रहे हैं। ये कृतियां प्रकृति, मानवीय भावनाओं, पर्यावरणीय संतुलन और मानवता तथा पृथ्वी के बीच सामंजस्य जैसे विषयों को दर्शाती हैं, जो रेत की मूर्तिकला से लेकर चित्रकला तक की पटनायक की कलात्मक यात्रा से प्रेरित हैं। पटनायक ने कहा, आज का दिन मेरे लिए बहुत खास है और एक कलाकार के रूप में मेरी यात्रा में एक मील का पत्थर है। चित्रकारी के मेरे बचपन के सपने भगवान जगन्नाथ के चरणों में शुरू हुए थे, और अब मेरा दिल खुशी से भर गया है क्योंकि मेरी 'जुगलबंदी' पेंटिंग इटली में 'कंटेंपररी वेनिस 2026' में प्रदर्शित की जा रही है।

ईरान संकट : पाकिस्तान में ईंधन खरीदने की होड़ में पेट्रोल पंप पर गोलीबारी, एक व्यक्ति की मौत

लाहौर/दक्षिण भारत। अमेरिका-ईरान संघर्ष के कारण पाकिस्तान में ईंधन की कमी की आशंका से मची अफरा-तफरी के बीच पेट्रोल पंप पर विवाद में ग्राहकों द्वारा की गई गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना शनिवार को लाहौर से लगभग 100 किलोमीटर दूर सियालकोट में हुई, जब दस्का रोड पर एक पेट्रोल पंप पर ग्राहकों और कर्मचारियों के बीच कहासुनी हो गई। पुलिस के अनुसार, अमेरिका-ईरान संघर्ष के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने के बाद तेल आपूर्ति को लेकर बढ़ती चिंताओं के कारण पेट्रोल पंपों पर वाहनों की लंबी कतारें लग गई थीं। पुलिस के मुताबिक, एक कार से आए दो व्यक्तियों ने अपनी गाड़ी में पेट्रोल भरवाया और फिर पेट्रोल पंप के कर्मचारी को अपने साथ लाए दो डिब्बों में पेट्रोल भरने को कहा।

पेट्रोल पंप कर्मचारी ने यह कहते हुए मना कर दिया कि सरकारी नीति के तहत डिब्बों में पेट्रोल भरना मना है।पुलिस अधिकारी दोस्त मोहम्मद ने कहा, ''इससे पेट्रोल पंप के कर्मचारियों और कार सवार लोगों के बीच कहासुनी हो गई।'' उन्होंने बताया कि कार सवार उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी देकर वहां से चले गए।

सब-वे का उद्घाटन

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार को बिहार संग्रहालय और पटना संग्रहालय के बीच नवनिर्मित भूमिगत मार्ग के उद्घाटन के दौरान अधिकारियों से बातचीत की। इस अवसर पर बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा भी उपस्थित थे।

'छाप तिलक' दिल के करीब, खास है इसकी एनर्जी : मेधा शंकर

नई दिल्ली/एजेन्सी

अविनाश तिवारी और मेधा शंकर की अपकमिंग फिल्म 'गिन्नी वेड्स सनी 2' का पहला गाना 'छाप तिलक' रिलीज हो चुका है। यह गाना रिलीज होते ही दर्शकों का दिल जीत रहा है। मेधा शंकर ने कहा कि यह गाना उनके दिल के बहुत करीब है और इसकी एनर्जी बेहद खास है। गाने में पारंपरिक भावना और मॉडर्न बीट्स का मेल है। फिल्म के पोस्टर लॉन्च के बाद मेकर्स ने इस हाई-एनर्जी ट्रैक को सोनी म्यूजिक के जरिए सभी स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध कराया है। गाने में अविनाश तिवारी और मेधा शंकर की जोड़ी की जबरदस्त केमिस्ट्री दिखाई देती है। साथ ही रैपर पैराडॉक्स की एंट्री गाने में आधुनिक टच जोड़ती है। तीनों की एनर्जी और मजेदार हुक स्टेप हैं। मेधा शंकर ने गाने की रिलीज पर खुशी जताते हुए कहा, मैं बहुत खुश हूं कि अब सब 'छाप तिलक' सुन पाएंगे। फिल्म का पहला गाना होने से इसकी एनर्जी बहुत खास है। यह मेरे दिल के करीब है और मैं खुद भी इस पर बार-बार थिरक रही हूं। हीर और अमान नूर ने इसे शानदार बनाया है। पैराडॉक्स के रैप ने और खास कर दिया। मुझे पूरा यकीन है कि यह इस सीजन का बड़ा डांस ट्रैक बनेगा। अविनाश तिवारी ने कहा, फिल्म की कहानी को आगे बढ़ाने में संगीत बहुत महत्वपूर्ण होता है। 'छाप तिलक' हमारे लिए वही काम करता है। उम्मीद है कि यह लोगों की प्लेलिस्ट में जगह बनाएगा, जैसे मेरी प्लेलिस्ट में बना चुका है। सुनते ही खुद को नाचने से रोकना मुश्किल होगा। यह गाना अमीर खुसरो के क्लासिक 'छाप तिलक सब छीनी' पर आधारित है, जिसे सिंगर-कंपोजर हीर ने गाया है। यह उनका बॉलीवुड डेब्यू है। अमान नूर ने कंपोजिशन और बोल लिखे हैं, जबकि पैराडॉक्स ने रैप से नया रंग भरा है। हीर ने कहा, हमने कोशिश की कि गाने में आत्मा भी रहे और डांस फ्लोर की एनर्जी भी। अमान के साथ काम और पैराडॉक्स का रैप इसे शानदरा बना देता है।पैराडॉक्स ने कहा, मैं क्लासिक में कुछ नया लाना चाहता था। गाने की ग्रूवी एनर्जी त्योहारों के सीजन में खूब चलेगी।अमान नूर ने बताया, क्लासिक को नए अंदाज में पेश करते समय पुरानी भावना और नया टच दोनों जरूरी हैं। हमने यही किया है।रोमांटिक-कॉमेडी सीक्वल 'गिन्नी वेड्स सनी 2' जी स्टूडियोज की फिल्म है।

'हर दिन आपका है,' अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर कंगना रनौत ने शेयर किया महिलाओं के नाम संदेश

मुंबई/एजेन्सी

अपने बेबाक बयानों के लिए प्रसिद्ध मंडी सांसद और बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत ने देश की सभी महिलाओं को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई दी है। अभिनेत्री का कहना है कि हर दिन महिलाओं का होता है और नारी महाशक्ति का स्वरूप है। कंगना रनौत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिए सभी महिलाओं के नाम प्यारा संदेश लिखा। अभिनेत्री का कहना है कि महिलाओं के लिए अपनी शक्तियों को पहचानना बहुत जरूरी है और उनका सही उपयोग करना भी आना चाहिए। उन्होंने लिखा, हर दिन आपका दिन है। नारी होना एक महाशक्ति है। अपनी शक्तियों को पहचानें और समझें कि उनका उपयोग अपने लाभ के लिए कैसे करें, न कि कभी अपने ही विरुद्ध। उदार होने पर कभी पछतावा न करें, जो आप देते हैं वही आपको मिलता है, लेकिन यह शायद आपकी अपेक्षा के अनुसार न हो, इसलिए आगे बढ़ते रहें, मूर्ख बनने की चिंता न करें।

उन्होंने आगे लिखा, हमेशा आशा रखें कि आप कभी किसी को मूर्ख न बनाएं या लोगों या परिस्थितियों का लाभ न उठाएं। खुशी की कुंजी यह है कि आप अपना सब कुछ अपने काम, अपने परिवार, अपने दोस्तों को दें, लेकिन याद रखें कि जो आप चाहते हैं वह किसी के पास नहीं है; आप केवल कृतज्ञता चाहते हैं और केवल आप ही खुद को इससे भर सकते हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात, उन्हें चुनें जिन्होंने आपको चुना है। उठो और चमको, प्यार करो और अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखो। महिला दिवस की शुभकामनाएं।

बता दें कि कंगना की गिनती बेबाक एक्ट्रेसेस में होती है, और उनकी फिल्में भी महिलाओं को प्रेरणा देने वाली होती हैं। एक्ट्रेस की 'क्वीन', 'तेजस', 'पंगा', 'तनु वेड्स मनु', 'मणिकर्णिका', और 'सिमरन' जैसी फिल्मों को खूब सराहा गया। ये सभी फिल्में महिलाओं के अलग रूप और शक्ति को दिखाती हैं। जहां 'क्वीन' में कंगना ने एक अकेली लेकिन सशक्त महिला का रोल प्ले किया, वहीं 'मणिकर्णिका' में वे तेज-तर्रार योद्धा के रूप में दिखीं।

नाना पाटेकर को गुरु मानती है कुब्रा सैत

नई दिल्ली/एजेन्सी

फिल्म अभिनेता नाना पाटेकर ने मेहनत और अभिनय के दम पर लोगों के दिलों में खास जगह बनाई है। उन्होंने दशकों से फिल्मों के जरिए लोगों का मनोरंजन किया। वह पूरी लगन के साथ अपना किरदार निभाते हैं और यही वजह है कि सिनेमा में कई कलाकार उन्हें अपना गुरु मानते हैं। इनमें से एक हैं अभिनेत्री कुब्रा सैत, जो इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म संकल्प को लेकर चर्चाओं में हैं। इस फिल्म में उनके साथ नाना पाटेकर हैं। फिल्म संकल्प का निर्देशन प्रकाश झा कर रहे हैं। हाल ही में फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया, जिसे लोग काफी पसंद कर रहे हैं। इस बीच क्रुबा सैत ने नाना पाटेकर के साथ काम करने के अनुभव को साझा किया। क्रुबा ने कहा कि उन्होंने नाना पाटेकर से अभिनय की बारीकियां सीखीं हैं, साथ ही उन्हें काम के प्रति समर्पण भी सीखने को मिला।

नाना पाटेकर की तारीफ करते हुए कुब्रा सैत ने कहा, नाना पाटेकर शानदार अभिनेता हैं। वह अपने काम के प्रति पूरी तरह समर्पित रहते हैं। वह हर सीन को बहुत गंभीरता से लेते हैं और उसकी तैयारी भी उतनी ही मेहनत से करते हैं। वह अक्सर अगले दिन के सीन्स की कहानी खुद अपने हाथों से लिखते हैं और फिर उसकी हर लाइन को याद भी करते हैं। कुब्रा ने कहा, नाना पाटेकर की लिखने की शैली बहुत प्रभावशाली है और काम करने का तरीका भी बेहद अलग है। सेट पर उन्हें काम करते हुए देखना मेरे लिए किसी सीखने वाली क्लास की तरह है। उनका ध्यान हर छोटी-छोटी बात पर रहता है। यही वजह है कि उनके साथ काम करना मेरे लिए एक बड़ा सीखने वाला अनुभव साबित हुआ। सेट के बारे में बताते हुए कुब्रा ने कहा, संकल्प के सेट पर कलाकारों के बीच काफी सहयोग भरा माहौल था, जहां हर कोई एक-दूसरे से कुछ नया सीख रहा था। नाना पाटेकर जैसे कलाकार नई पीढ़ी के अभिनेताओं के लिए एक प्रेरणा हैं और उनके साथ काम करना किसी सौभाग्य से कम नहीं है।

निरहुआ की 'फसल' यूट्यूब पर होगी रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी सिनेमा अक्सर ग्रामीण मुद्दों से जुड़ी फिल्में लेकर आती रहती है। इसी कड़ी में अभिनेता दिनेश लाल यादव निरहुआ एक ऐसी ही फिल्म 'फसल' लेकर आ रहे हैं। यह फिल्म किसानों की जिंदगी, उनकी फसलों की मुश्किलों, बिचौलियों की लूट और समाज में उनकी अनदेखी को दिखाती है। शनिवार को मेकर्स ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए बताया कि अब वे इसका वर्ल्ड डिजिटल प्रीमियर करने जा रहे हैं। उन्होंने फिल्म का क्लिप शेयर कर लिखा, फिल्म 'फसल' का डिजिटल प्रीमियर पहली बार यूट्यूब पर होगा।

यह प्रीमियर 8 मार्च को सुबह 6 बजे शुरू होगा। फिल्म में निरहुआ एक किसान के किरदार में नजर आएंगे, जो बिचौलियों और सिस्टम से जूझते दिखते हैं। आम्रपाली दुबे भी मजबूत भूमिका में हैं। निर्देशक पराग पाटिल ने इस फिल्म के जरिए सामाजिक मुद्दों को संवेदनशील तरीके से उठाया है।

हालांकि, फिल्म पहले टीवी और थिएटर पर प्रसारित की जा चुकी है और अब डिजिटल प्लेटफॉर्म पर आने से यह और ज्यादा दर्शकों तक पहुंचेगी। निरहुआ और आम्रपाली की जोड़ी को दर्शक बहुत पसंद करते हैं। यह फिल्म न सिर्फ मनोरंजन देगी, बल्कि किसानों के मुद्दों पर भी सोचने पर मजबूर करेगी।'फसल' के गीत अरविंद तिवारी, प्यारेलाल यादव, विमल बावरा और विजय चौहान ने लिखे हैं। फिल्म के गाने आलोक कुमार, कल्पना पटवारी, नीलकमल सिंह, प्रिया सिंह राजपूत, ममता राउत और शिल्पी राज जैसे मशहूर गायकों ने गाए हैं।श्रेयस फिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले इस फिल्म के निर्माता प्रेम राय हैं, जबकि सह-निर्माता सतीश आशवानी हैं। फिल्म का निर्देशन प्रतिभाशाली पराग पाटिल ने किया है, जिन्होंने इसकी कहानी भी लिखी है। संवाद लेखन का जिम्मा राकेश त्रिपाठी ने संभाला है। फिल्म की सिनेमेटोग्राफी साहिल जे. अंसारी ने की है।

एक्शन सीन को हीरा यादव ने डिजाइन किया है और कोरियोग्राफी संजय कोर्बे और कानू मुखर्जी ने की है। फिल्म में दिनेश लाल यादव निरहुआ और आम्रपाली दुबे के साथ छोटी सिंह, संजय पांडेय, अयाज खान, सुबोध सेठ, राकेश त्रिपाठी, यादवेंद्र यादव, जय सिंह, प्रीति सिंह, धर्मेंद्र तिवारी, डॉली, राणा सुजीत सिंह, दीपेंदर मिश्रा, शम्भू राणा, साहब लाल धारी, कृष्णा यादव, शिवेश तिवारी और कविता सिंह अहम भूमिका में नजर आएंगे।

तापसी पन्नू ने विद्या बालन को बताया अपना 'हीरो', कहा- उनकी फिल्मों से मिला कैरियर में टिके रहने का भरोसा

नई दिल्ली/एजेन्सी

हिंदी सिनेमा में हर कलाकार को किसी न किसी से प्रेरणा मिलती है, जिसकी मेहनत और काम देखकर वह आगे बढ़ने की हिम्मत पाता है। बॉलीवुड अभिनेत्री तापसी पन्नू के लिए ऐसी ही प्रेरणा विद्या बालन हैं। तापसी ने बताया कि विद्या बालन की फिल्मों ने उनके सोचने का तरीका बदल दिया। उन्होंने कहा कि जब वह हिंदी फिल्मों में अपना करियर शुरू कर रही थीं, तब विद्या बालन की कुछ फिल्मों ने उन्हें यह भरोसा दिया कि महिला कलाकार भी मजबूत कहानियों के साथ लंबे समय तक इंडस्ट्री में टिक सकती हैं। तापसी ने कहा, ''विद्या बालन ने सिर्फ फिल्मों में अभिनय नहीं किया, बल्कि उन्होंने यह भी दिखाया कि एक अभिनेत्री अपने दम पर कहानी को आगे बढ़ा सकती है। मेरे लिए विद्या बालन एक हीरो हैं। उनकी फिल्मों ने मुझे प्रेरित किया। जब मैंने 'द डर्टी पिक्चर' और 'कहानी' जैसी फिल्में देखीं, तो महसूस हुआ कि सिनेमा में महिलाओं के लिए भी मजबूत और अलग तरह की कहानियां बन सकती हैं।

अगर ये फिल्में उस समय नहीं आई होतीं, तो शायद मेरे जैसे कई कलाकारों को यह विश्वास ही नहीं होता कि वे भी लंबे समय तक इंडस्ट्री में काम कर सकते हैं।''

उन्होंने कहा, ''उस समय मैं हिंदी सिनेमा में अपने करियर की शुरुआत कर रही थी और अक्सर यह सवाल मन में आता था कि एक अभिनेत्री का करियर कितने समय तक चल सकता है पर विद्या बालन की फिल्मों को सफल होते देख मेरा नजरिया पूरी तरह बदल गया। उनकी फिल्मों ने बताया कि कंटेंट-ड्रिवन सिनेमा में अभिनेत्री भी मुख्य भूमिका निभा सकती हैं और फिल्म की सफलता का केंद्र बन सकती हैं।''

दरअसल, विद्या बालन को हिंदी सिनेमा में महिला प्रधान फिल्मों के लिए जाना जाता है। पिछले दो दशकों में उन्होंने कई ऐसी फिल्मों में काम किया है, जिनमें कहानी का पूरा भार उनके किरदार पर टिका होता है। 'नो वन किल्ड जेसिका', 'तुम्हारी सुलु' और 'शेरनी' जैसी फिल्मों में उन्होंने अलग-अलग तरह के किरदार निभाए और अभिनय के जरिए दर्शकों का दिल जीत लिया। उनकी फिल्मों ने साबित किया कि बॉलीवुड में सिर्फ बड़े हीरो ही नहीं, बल्कि अच्छी कहानी और दमदार अभिनय भी फिल्म को सफल बना सकते हैं।

दिलचस्प बात यह है कि तापसी पन्नू और विद्या बालन एक साथ काम कर चुकी हैं। दोनों कलाकारों ने साल 2019 की चर्चित फिल्म 'मिशन मंगल' में एक साथ अभिनय किया था। इस फिल्म की कहानी भारत के ऐतिहासिक मार्स ऑर्बिटर मिशन से प्रेरित थी और इसमें वैज्ञानिकों की उस टीम को दिखाया गया था, जिसने इस मिशन को सफल बनाया। फिल्म में तापसी और विद्या दोनों ने वैज्ञानिकों का किरदार निभाया था।

स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत 'पुनीत सागर अभियान' में जुटे युवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। कोस्टल क्लीनअप डे के अवसर पर इंडियन नेवी शिपिंग आईएनएस अड्यार के सहयोग से तेरापंथ युवक परिषद, चेन्नई के तत्वावधान में तेरापंथ किशोर मंडल चेन्नई एवं आरटूबी एकडमी स्किल डवलमेंट क्लासेस के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस चेन्नई में इंडियन नेवी के नियंत्रण में आने वाले बीच पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। कार्यक्रम आईएनएस अड्यार के कमांडिंग ऑफिसर कमांडर मनु रोय के नेतृत्व में लेफ्टिनेंट युवन कार्तिक, पीओ धरमवीर सिंह एवं पूरी नेवी टीम का विशेष सहयोग रहा।

कार्यक्रम की शुरुआत स्वच्छ भारत–विकसित भारत के जयघोष के साथ की गई। इस अवसर पर तेरापंथ युवक परिषद ,चेन्नई एवं आर2बी एकडमी के पदाधिकारी द्वारा आईएनएस अड्यार के लेफ्टिनेंट युवन कार्तिक का सम्मान शॉल ओढाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर किया।

लेफ्टिनेंट ने कहा कि स्वच्छता का कार्य घर से ही शुरू होता है। जब घर से यह अभियान शुरू होगा तो आगे चलकर पूरे देश में स्वच्छ भारत का निर्माण होगा और हम विकसित भारत की दिशा में आगे बढ़ेंगे।

इस अवसर पर तेरापंथ युवक परिषद, चेन्नई के उपाध्यक्ष हरीश भंडारी, मंत्री मुकेश ए आच्छा, सह मंत्री श्रीकांत चोरडिया, सह मंत्री तरुण बेद, किशोर मंडल प्रभारी कुणाल भंडारी, किशोर मंडल के संयोजक जैनम भंडारी, रजत मर्लेचा एवं पूरी तेरापंथ किशोर मंडल टीम तथा परिषद टीम की सक्रिय सहभागिता रही। साथ ही आर2बी एकादमी के चेयरमैन भरत मर्लेचा, वाइस चेयरमैन रेखा भरत जैन एवं उनकी पूरी टीम का भी विशेष सहयोग रहा। अपने विचार व्यक्त करते हुए तेरापंथ युवक परिषद चेन्नई के मंत्री मुकेश ए आच्छा ने कहा कि आज पूरे विश्व में महिलाओं के सम्मान के लिए कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं, जो एक अद्भुत कार्य है।

अकादमी की वाइस चेयरमैन रेखा भरत जैन ने कहा कि समाज में महिलाओं के प्रति सम्मान का नजरिया बदल रहा है। आज कई पुरुष, युवा और किशोर आगे बढ़कर सम्मान के साथ कार्य कर रहे हैं। भारतीय नेवी के साथ मिलकर स्वच्छता अभियान करने का अवसर मिलना हम सभी के लिए अत्यंत खुशी और गर्व की बात है। कार्यक्रम का संचालन भरत जैन द्वारा किया गया तथा धन्यवाद ज्ञापन तेरापंथ युवक परिषद चेन्नई के उपाध्यक्ष हरीश भंडारी ने किया। 'पुनीत सागर अभियान – कोस्टल क्लीनअप डे' के अंतर्गत यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

पीरियड केयर जागरूकता शिविर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां महावीर इंटरनेशनल सेवा ऑर्गेनाइजेशन के द्वारा राजीव गांधी गवर्नमेंट जनरल हॉस्पिटल में 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आरोग्य प्रोजेक्ट के अंतर्गत महिला स्वास्थ्य एवं सुरक्षा जागरूकता के लिए 300 कर्मचारियों को पीरियड केयर के बारे में पीरियड केयर एजुकेटर नीलम सारडा द्वारा अपनी वर्कशॉप के जरिए समझाया गया। स्वच्छ और स्वस्थ रहने के प्रति जागरूक किया गया।

अपेक्स द्वारा भेजे गए बायो ऑक्सीडेग्रेबल सैनिटरी नैपकिंस वितरित किए गए। कार्यक्रम में महावीर इंटरनेशनल सेवा ऑर्गेनाइजेशन की अध्यक्ष शिल्पा बम्ब, उपाध्यक्ष सुमित जैन, संरक्षक निरंजन सोलंकी, इंद्रा सोलंकी, सदस्य मीनाक्षी चौधरी, भाग्यश्री कटारिया, गौतम छाजेड़, आनंद आर्या, मंजू आर्या आदि सदस्य उपस्थित रहे।

अंत में हॉस्पिटल के डीन, डॉ देवसेना, कविता, भास्कर, एब उपस्थित कर्मचारियों को धन्यवाद दिया।

महिलाओं को सिखाए आत्मरक्षा के तरीके

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। कोयम्बटूर में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर रववार को चन्दन फाउंडेशन द्वारा सेल्फ डिफेन्स की कार्यशाला आयोजित की। राजस्थानी संघ में चन्दन फाउन्डेशन, राजस्थानी संघ, भारतीय जैन संघटन के संयुक्त तत्वावधान में 18 से 50 साल की महिलाओं को अपनी स्वयं की सुरक्षा के लिए सेल्फ डिफेन्स के तरीके बताए गए।

फाउन्डेशन के महेन्द्र रांका ने सभी का स्वागत किया। प्रशिक्षक संगीता और उनकी टीम ने प्रशिक्षण दिया। संघ के उपाध्यक्ष जितेन्द्र पुगालिया, सचिव, प्रदीप कर्नानी आदि ने प्रशिक्षक का सम्मान किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया।

इंडियन बैंक ने आईएनडी एस्पायर वुमेन चालू खाता लॉन्च किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर, महिला सशक्तिकरण और समावेशी बैंकिंग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करते हुए, इंडियन बैंक ने 'आईएनडी एस्पायर वुमेन' नामक एक विशेष चालू खाता लॉन्च किया है, जिसे महिला उद्यमियों की वित्तीय और व्यावसायिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तैयार किया गया है। लॉन्च की घोषणा एक विशेष कार्यक्रम में की गई, जिसमें समाज और अर्थव्यवस्था में योगदान देने वाली प्रेरणादायक महिलाओं की उपलब्धियों का सम्मान किया गया। यह चालू खाता महिलाओं के नेतृत्व वाले उद्यमों को अधिक आकर्षक लाभ एवं सुरक्षा प्रदान करता है प्रमुख विशेषताओं में मुफ्त क्यूआर साउंड बॉक्स, पीओएस मशीन, आय सुरक्षा सहित 10 लाख रुपये का मुफ्त कैंसर बीमा कवर आदि शामिल हैं।

चेन्नई में आयोजित एक कार्यक्रम में बैंक के एमडी एवं सीईओ बिनोद कुमार ने महिला प्रतिभाओं की उपस्थिति में महिला केंद्रित उत्पादों का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम में आरबीआई की नामित निदेशक के. निखिला, एवं बैंक के सभी कार्यकारी निदेशक उपस्थित थे। इस अवसर पर बोलते हुए इंडियन बैंक के एमडी और सीईओ बिनोद कुमार ने कहा कि महिला उद्यमी भारत की आर्थिक वृद्धि को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। आईएनडी एस्पायर वुमेन के शुभारंभ के साथ, इंडियन बैंक का उद्देश्य एक ऐसा समर्पित बैंकिंग प्लेटफॉर्म प्रदान करना है जो सुविधा, सुरक्षा और मूल्यवर्धित लाभों को संयोजित करता है, जिससे महिला उद्यमी आत्मविश्वास के साथ अपने व्यवसाय को आगे बढ़ा सकें। उन्होंने कहा कि इसके अतिरिक्त लखपति–दीदी, डेयरी लोन उत्पाद, एक क्रेडिट–लिंक्ड डेयरी वित्त योजना, महिला स्वयं सहायता समूहों को 2.0 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए डिजिटल ऋण मंच भी शुरू किया गया है। एसएच ई–बाइक के तहत, एक डिजिटल ऋण उत्पाद, महिलाओं को सतत हरित गतिशीलता में सहायता प्रदान करने के लिए, आवेदक 2.0 लाख रुपये तक का ऋण प्राप्त कर सकते हैं।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत, बैंक ने अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहलों के माध्यम से सामुदायिक विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। इंडियन बैंक ने दिव्यांगजनों के लिए काम करने वाली संस्था, विद्या सागर स्कूल, कोट्टूरपुरम, चेन्नई को मोटरयुक्त व्हीलचेयर, वॉकर, सुरक्षा हार्नेस के साथ पुनर्वास ट्रेडमिल और सुगम्यता बढ़ाने के लिए स्वचालित सेंसर–आधारित स्लाइडिंग डोर सहित सहायक बुनियादी ढांचा प्रदान करके सहायता प्रदान की है।

बालिकाओं के स्वास्थ्य और शिक्षा के लिए सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। सोसाइटी फॉर प्रोटेक्शन ऑफ अनबॉर्न चाइल्ड (एसपीयूसी) चेन्नई ने 8 मार्च को जैन कॉलोनी में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया। ट्रस्टी कमल कुमार बिन्नाई ने जैव रसायन विज्ञान में उत्कृष्ट योगदान और महिलाओं और कैंसर से संबंधित मुद्दों पर उनके शोध के लिए डॉ. अय्यर गोमती नारायणन को नामांकित किया। उन्होंने यह उपलब्धि अपने परिवार और पति जी. कार्तिक के सहयोग से हासिल की। आयोजन सचिव और जिला अध्यक्ष आर. मुरली, सेव गर्ल चाइल्ड, लायंस क्लब्स इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3241एम ने उपस्थित होकर कहा कि इस वर्ष की अवधारणा 'दान से लाभ' है, जो बालिकाओं के स्वास्थ्य और शिक्षा के अधिकार के सशक्तिकरण पर केंद्रित है। उन्होंने डॉ. अय्यर गोमती नारायणन को शॉल ओढाकर और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर प्रेरणा सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सेलम। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 7 मार्च को शंकरनगर के तेरापंथ भवन में तेरापंथ महिला मंडल द्वारा एक प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन दो सत्रों में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलाचरण के साथ हुआ। राष्ट्रीय ट्रस्टी नीलम सेठिया एवं राजलक्ष्मी वैंकटेश रमण की मुख्य अतिथि के रूप में गरिमामयी उपस्थिति रही।

मंडल की अध्यक्ष सरिता चोपड़ा ने सभी का स्वागत करते हुए कार्यक्रम के उद्देश्य बताए। सीएस अक्षिता बैद ने 'आत्मनिर्भर नारी–आर्थिक जागरूकता' विषय पर गृहिणियों को बचत, निवेश तथा म्यूचुअल फंड की मूलभूत जानकारी दी। इसके बाद एडवोकेट आस्था बाबेल ने 'मेरा अधिकार – मेरा संरक्षण' विषय पर महिलाओं को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक किया।

राष्ट्रीय ट्रस्टी एवं प्रेरककर्ता नीलम सेठिया ने गृह लक्ष्मी स्वाभिमान विषय पर प्रेरणादायी टॉक शो में सब के प्रश्नों और सुझावों को समागत किया। सभी महिलाओं ने उत्साह से भाग लिया। इस अवसर पर ममता बोहरा ने सभी संस्थाओं को संबोधित किया। 16 विभिन्न एनजीओ एवीं मंडलों को समाजसेवा के लिए सम्मान पत्र व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

वहीं दूसरे सत्र में अपनी पुत्री को दीक्षा के रूप में संघ को समर्पित करने के पावन भाव के लिए पुष्पा बाफना को प्रेरणा सम्मान प्रदान किया गया। द्वितीय सत्र का संचालन समता डूंगरवाल ने किया। प्रोजेक्ट हेड के रूप में सुषमा भंसाली एवं अक्षिता बैद ने काम किया। कार्यक्रम का समापन मंडल की मंत्री मंजुला डूंगरवाल के आभार ज्ञापन के साथ हुआ। संचालन निशा डूंगरवाल ने किया।

महिलाओं की सशक्तिकरण 'गृह लक्ष्मी स्वाभिमान' अभियान की शुरुआत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै। गृहणियों के सम्मान और गरिमा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में तेरापंथ महिला मंडल मदुरै द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में गृह लक्ष्मी स्वाभिमान अभियान' और एक 'एनजीओ मीट' का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 30 से अधिक एनजीओ और विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रेरणा गीत के साथ हुई, जिसके बाद अध्यक्ष दीपिका फुलफगर ने स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण एक संवादात्मक पैनल चर्चा रही, जिसमें महिलाओं को सामाजिक अपेक्षाओं से ऊपर उठकर अपनी आंतरिक क्षमता को पहचानने और निरंतर कौशल विकास के लिए प्रोत्साहित किया गया।

इस सामाजिक सशक्तिकरण अभियान में साइशा इंडिया, स्पीक2अस, वेस्ट इज वेल्थ, रोटरी क्लब ऑफ मदुरै ब्लॉसम, सेवास, अलविझी और एबल किड्स जैसे प्रतिष्ठित संगठनों ने भाग लिया और अपने विचार साझा किए। समाज में उनके योगदान को सराहते हुए उपाध्यक्ष रेखा दुगड़ ने उपस्थित एनजीओ और विभिन्न सामाजिक संगठनों प्रतिनिधियों को सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन मंत्री मधु पारख द्वारा किया गया और उपाध्यक्ष सुनीता कोठारी ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। यह आयोजन अत्यंत सफल रहा, जिसमें 130 से अधिक महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

युवक के परिवार ने हिरासत में प्रताड़ना से मौत का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै। मारपीट के एक मामले में गिरफ्तार 26 वर्षीय युवक की हिरासत में मौत के बाद रविवार को परिजनों ने मदुरै के सरकारी राजाजी अस्पताल में हंगामा किया। मृत युवक के माता–पिता ने मनमदुरै पुलिस पर हिरासत में यातना दिए जाने और जाति के आधार पर भेदभाव का आरोप लगाया। मृत युवक की पहचान आकाश डेलिसन (26) के रूप में हुई है, जो कृष्णा राजपुरम रहने वाला था। उसे शुक्रवार को जायन नगर में दो व्यक्तियों पर हमले के आरोप में एक अन्य युवक गुना (23) के साथ गिरफ्तार किया गया था।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, आकाश का गिरफ्तारी से बचने की कोशिश में गिरने से दाहिने पैर में फ्रैक्चर हो गया था। मनमदुरै न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा 18 मार्च तक रिमांड आदेश के बाद युवक को इलाज के लिए मदुरै सरकारी राजाजी अस्पताल के कैदी वार्ड में भर्ती कराया गया था। अधिकारियों ने बताया कि आकाश को रविवार तड़के सांस लेने में तकलीफ हुई और कुछ ही समय बाद उसकी मौत हो गई। हालांकि, अस्पताल में पत्रकारों से बात करते हुए युवक के पिता राजेश कन्नन और मां आनंदी ने मनमदुरै पुलिस थाने के कर्मियों पर गंभीर आरोप लगाए।

पिता ने आरोप लगाया कि पुलिस आकाश को जांच के बहाने एक सुनसान जंगल में ले गई। राजेश कन्नन ने पत्रकारों को बताया, उन्होंने (पुलिस) आकाश के पैरों पर पत्थर रखकर उसे तब तक पीटा जब तक उसकी हड्डियां टूट नहीं गईं।

स्वाध्याय भवन में स्वाध्याय अनुप्रेक्षा कार्यक्रम

चेन्नई। यहां साहूकारपेट के बेसिन वाटर स्ट्रीट में स्थित स्वाध्याय भवन चेन्नई में 8 मार्च को वरिष्ठ स्वाध्यायी महावीरचन्द बागमार ने स्वाध्याय अनुप्रेक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत कहा कि आचार्य हीराचंद्र म.सा कहते हैं कि सामाचारी ना सिर्फ चरित्र आत्माओं के लिए ही नहीं साथ में श्रावक–श्राविकाओं सभी के लिए आवश्यक हैं। स्वाध्यायी ने आचार्यश्री के प्रवचन 'सामाचारी के पालन से होती शांति समाधि' का उल्लेख करते हुए स्वाध्याय व अनुप्रेक्षा करते हुए उतराध्ययन सूत्र आदि विभिन्न आगमों में वर्णित गाथाओं का उल्लेख करते हुए आवश्यकी सामाचारी पर विस्तृत प्रकाश किया। श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ तमिलनाडु के पूर्व कार्याध्यक्ष आर नरेन्द्र कांकरिया ने तीन मनोरथ व संकल्प सूत्र पाठ कराया। श्रावक संघ के कोषाध्यक्ष अम्बालाल कर्णावट ने प्रत्याख्यान,स्वाध्यायी बन्धुवर नवरतनमल चोरडिया ने सामूहिक नियम व गौतमचन्द मुणोत द्वारा सुखसाता पृच्छा पाठ कराने के पश्चात महावीरचन्द बागमार ने मंगल पाठ किया। कार्यक्रम में स्वाध्यायी बन्धुवरों की सामायिक परिवेश में प्रमोदजन्य उपस्थिति रही।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Aditya at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.